page 1 and 8 June 16_page 1 Mar 25 final ds.qxd 6/16/2026 1:26 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

5 मनप्रीत सिंह ने रचा इतिहास, दिलीप तिर्की के अंतरराष्ट्रीय मैचों के रिकार्ड की बराबरी

8 विकास कार्यों में तेजी लाने की मांग

मौसम जम्मू — न्यूनतम 28 — अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-147 | जम्मू तवी, मंगलवार 16 जून, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

अमेरिका-ईरान समझौते से पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता की उम्मीद: मोदी

नयी दिल्ली 15 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम होगी।

श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ‘मैं पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त करने के संबंध में अमेरिका और ईरान के बीच हुई समझ का स्वागत करता हूँ, जिसने विश्व भर में गंभीर आर्थिक व्यवधान उत्पन्न किया है और अनेक देशों में जनहानि का कारण बना है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति से क्षेत्र में शांति स्थापित होगी और नौवहन तथा व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत को आशा है कि इस समझ के कार्यान्वयन से क्षेत्र में शांति और स्थिरता की पुनर्स्थापना में सहायता मिलेगी तथा नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। हम आशा करते हैं कि शेष मुद्दों पर विचार-विमर्श एक टिकाऊ अंतिम समझौते तक पहुँचेगा।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका और ईरान ने पश्चिम एशिया में पिछले 107 दिनों से चले आ रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक समझौते पर सहमति व्यक्त की है। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य से नौसैनिक नाकेबंदी हटाने की बात कही है। दोनों पक्षों ने लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई तत्काल और स्थायी रूप से रोकने की घोषणा की है।

जनता के पैसे को अमानत समझकर करें काम, टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना बनाएं : उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 15 जून। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में नियुक्त किए गए नए जूनियर इंजीनियरों से ईमानदारी, जवाबदेही और गुणवत्ता के साथ कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि जनता का पैसा एक पवित्र अमानत है और इसका उपयोग इस प्रकार होना चाहिए कि उससे बनने वाली सड़कें, पुल, अस्पताल और अन्य सार्वजनिक संरचनाएं वर्षों तक लोगों की सेवा कर सकें।

सोमवार को श्रीनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में 132 जूनियर इंजीनियर (सिविल) को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नियुक्ति पत्र केवल सरकारी नौकरी का दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि इनके साथ लाखों लोगों की उम्मीदें और विश्वास भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा विकास कार्यों पर खर्च किया जाने वाला प्रत्येक रुपया जनता के कर से प्राप्त होता है, इसलिए उसके उपयोग में पारदर्शिता, ईमानदारी और उत्तरदायित्व सर्वोपरि होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने युवा अभियंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने कार्यों के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के विकास की मजबूत नींव तैयार करें। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास की पहचान उसकी आधारभूत संरचना से होती है और इंजीनियर इस विकास यात्रा के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सेदार होते हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है कि उनके द्वारा निर्मित सड़कें, पुल, सरकारी भवन और अस्पताल उच्च गुणवत्ता वाले हों तथा लंबे समय तक उपयोगी बने रहें।

उन्होंने कहा कि आम नागरिक यह अपेक्षा नहीं करते कि नई बनी सड़क पहली बारिश में ही क्षतिग्रस्त हो जाए या किसी पुल अथवा भवन की गुणवत्ता कुछ वर्षों में ही सवालों के घेरे में आ जाए। जनता चाहती है कि सरकारी धन से निर्मित परियोजनाएं टिकाऊ, सुरक्षित और विश्वसनीय हों। इसलिए प्रत्येक इंजीनियर को अपने कार्य को केवल नौकरी नहीं बल्कि जनसेवा के रूप में देखना चाहिए।

उमर अब्दुल्ला ने नए अभियंताओं से ईमानदारीपूर्वक सेवा करने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकारें बदल सकती हैं, प्रशासनिक व्यवस्थाएं बदल सकती हैं, लेकिन जनता की अपेक्षाएं हमेशा एक जैसी रहती हैं। लोगों को बेहतर सुविधाएं, मजबूत आधारभूत संरचना और समय पर विकास कार्य चाहिए। ऐसे में अभियंताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले तीन दशकों तक ये युवा अभियंता जम्मू-कश्मीर के विकास कार्यों का नेतृत्व करेंगे। प्रदेश का भविष्य काफी हद तक उनके कार्यों और निर्णयों पर निर्भर करेगा। इसलिए उन्हें अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत से ही उत्कृष्टता और जवाबदेही को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने अभियंताओं से यह भी अपील की कि वे अपनी नियुक्ति के बाद तबादले की मांग करने के बजाय जहां भी उन्हें तैनात किया जाए, वहां पूरी निष्ठा के साथ काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी सेवा का उद्देश्य केवल सुविधाजनक स्थान पर काम करना नहीं है, बल्कि उन क्षेत्रों तक विकास पहुंचाना भी है जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में कार्य करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना बड़े शहरों में काम करना।

विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार बाहरी परिस्थितियां भी कार्यों को प्रभावित करती हैं। उन्होंने हाल के दिनों में बिटुमेन की कमी के कारण सड़कों के ब्लैकटॉपिंग कार्य में आई कठिनाइयों का उदाहरण देते हुए कहा कि संसाधनों की कमी या अन्य बाधाओं के बावजूद विकास कार्यों को समय पर पूरा करने की प्रतिबद्धता बनी रहनी चाहिए।

खबर संक्षेप

मौसम विभाग का जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में तेज हवाओं और आंधी को लेकर येलो अलर्ट जारी

जम्मू, 15 जून। जम्मू में गर्मी से राहत नहीं मिल रही।

बीते दिन की तरह सोमवार को भी भीषण गर्मी अपना रंग दिखा रही है। रविवार को तेज धूप की वजह से लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया। दोपहर में हीटवेव जैसे हालात बने रहे।

मौसम विभाग के अनुसार जम्मू का अधिकतम तापमान 37-38 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 1-2 डिग्री ज्यादा है।

श्रीनगर में अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग ने आज जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में तेज हवाओं और आंधी को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। शाम तक मौसम बदलने और हल्की बारिश की संभावना है।

विभाग ने अगले 2 दिन यानी 16 और 17 जून के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। इन दोनों दिन जम्मू में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक तेज धूप से बचें।

भारत- स्लोवाकिया ने रक्षा, एआई और आतंकवाद-रोधी सहयोग समेत 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किये

नयी दिल्ली/ ब्रातिस्लावा, 15 जून। भारत और स्लोवाकिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को समग्र साझेदारी के स्तर तक उन्नत करते हुए रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्वास्थ्य क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में 11 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौतों को दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को नई दिशा देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

स्लोवाकिया की यात्रा पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के बीच सोमवार को ब्रातिस्लावा में द्विपक्षीय बैठक के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। दोनों देशों के बीच प्रमुख समझौतों में श्रम प्रवासन के क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन ,रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आशय पत्र तथा डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन शामिल हैं। दोनों देशों ने उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान तथा ऑडियो-विजुअल सृजन के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति जतायी है।

उभरती और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग को नयी गति देते हुए प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कोसिसे में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की ओर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर पहली पीठ स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा क्वांटम संचार और महत्वपूर्ण अवसंरचना संरक्षण के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ, जो दोनों देशों के तकनीकी सहयोग को और मजबूत करेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे और स्लोवाक हेल्थ स्पा पिएस्तानी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वहीं, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान , दिल्ली और स्लोवाक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बीच छात्र विनिमय कार्यक्रम, छात्रवृत्तियों और संयुक्त अनुसंधान सहयोग को लेकर एक समझौता संपन्न हुआ।

दोनों देशों ने पर्यटन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने तथा भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) और स्लोवाक विज्ञान अकादमी (एसएएस) के बीच वैज्ञानिक सहयोग समझौते पर भी हस्ताक्षर किए, जिससे अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में साझेदारी को मजबूती मिलेगी।

समझौतों के अलावा दोनों पक्षों ने आतंकवाद-रोधी सहयोग को संस्थागत रूप देने के लिए संयुक्त कार्य समूह के गठन तथा नागरिक सेवाओं और लोगों के बीच संपर्क को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कांसुलर संवाद तंत्र स्थापित करने की भी घोषणा की।

पुलिस ने आतंकियों को रसद पहुंचाने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, सुरक्षा एजेंसियां खंगाल रहीं संभावित नेटवर्क

राजौरी, 15 जून। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादियों को कथित रूप से रसद और अन्य सहायता उपलब्ध कराने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का दावा है कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित का संपर्क सक्रिय आतंकियों से था और उसने उन्हें कई बार खाद्य सामग्री एवं अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराया था।

हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान गंभीर मुगलां निवासी अब्दुल कयूम पुत्र स्वर्गीय सैफ अली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, विश्वसनीय सूचना मिलने के बाद उसे हिरासत में लिया गया और उससे गहन पूछताछ की गई।

पूछताछ के दौरान अब्दुल कयूम ने लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर इलियास उर्फ आसिफ उर्फ फौजी और उसके सहयोगी यासिर सहित कुछ अन्य सक्रिय आतंकवादियों की पहचान की है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ये आतंकी राजौरी-पुंछ क्षेत्र में पिछले वर्षों के दौरान हुई कई बड़ी आतंकी घटनाओं में शामिल रहे हैं। इनमें भट्टा डूरियन (20 अप्रैल 2023), कंडी (5 मई 2023), टोपा पीर और डीकेजी क्षेत्र (21 दिसंबर 2023) तथा शाहसितार (4 मई 2024) में हुए हमले शामिल बताए जा रहे हैं।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आतंकियों ने सितंबर-अक्टूबर 2024 के दौरान पहली बार अब्दुल कयूम से संपर्क किया था। प्रारंभिक स्तर पर उन्होंने उससे खाने-पीने का सामान प्राप्त किया। बाद की मुलाकातों में उसने कथित तौर पर गैस स्टोव, गैस सिलेंडर और लगभग 30 किलोग्राम चावल भी उपलब्ध कराए थे।

जांच एजेंसियों के अनुसार, आतंकी समूह ने सितंबर-अक्टूबर 2025 में दोबारा उसके घर का दौरा किया और फिर से खाद्य सामग्री प्राप्त की। इसके बाद मई 2026 में डोरीमाल-शेरोवाली-कोपरा वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के संयुक्त अभियान शुरू होने से पहले भी आतंकियों ने उससे संपर्क किया था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 18 और 19 मई 2026 को आरोपित ने आतंकियों को खजूर, काजू, बादाम, जूस की बोतलें और कुछ दवाइयां उपलब्ध कराई थीं। जांचकर्ताओं का दावा है कि इनमें से कुछ वस्तुएं 23 मई 2026 को आतंकवादियों के साथ हुई शुरुआती मुठभेड़ के बाद बरामद सामग्री से मेल खाती हैं।हालांकि पूछताछ के दौरान अब्दुल कयूम ने आसपास के जंगलों में आतंकियों के ठिकानों, आवाजाही के मार्गों या उनके अन्य स्थानीय सहयोगियों के बारे में जानकारी होने से इनकार किया है। उसने किसी व्यापक सहायता नेटवर्क की जानकारी होने की बात भी स्वीकार नहीं की है।

जम्मू-कश्मीर में उच्च माध्यमिक स्तर पर छात्र संक्रमण दर में दशक की सबसे बड़ी गिरावट

श्रीनगर, 15 जून। जम्मू-कश्मीर में माध्यमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक छात्रों की प्रगति (ट्रांजिशन) दर में पिछले एक दशक की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

वर्ष 2014 से 2024 के बीच यह दर 20 प्रतिशत से अधिक घट गई है।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान संक्रमण दर में गिरावट के मामले में जम्मू-कश्मीर देश में दूसरे स्थान पर रहा है। दस्तावेजों में कहा गया है कि वर्ष 2014 से 2024 के बीच माध्यमिक से उच्च माध्यमिक स्तर पर संक्रमण दर में सबसे अधिक गिरावट अरुणाचल प्रदेश में दर्ज की गई, जहां यह 81.8 प्रतिशत से घटकर 60.7 प्रतिशत रह गई। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में यह दर 93.38 प्रतिशत से घटकर 72.9 प्रतिशत पर पहुंच गई।

तारकुंडी सेक्टर में देर रात गोलीबारी के बाद सुरक्षा बलों ने बढ़ाई निगरानी

पुंछ, 15 जून। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर देर रात गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। तारकुंडी सेक्टर में हुई इस घटना के बाद सेना और अन्य सुरक्षा बलों ने इलाके में निगरानी बढ़ा दी है तथा सीमा से सटे क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है।

सुरक्षा एजेंसियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुंछ जिले के तारकुंडी सेक्टर में भारत और पाकिस्तान की चौकियों के बीच देर रात गोलीबारी होने की सूचना मिली है। हालांकि घटना की प्रकृति, गोलीबारी की अवधि तथा किसी प्रकार के नुकसान या हताहत की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं और स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

घटना के बाद नियंत्रण रेखा के निकट स्थित सभी संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। सेना ने अग्रिम चौकियों पर सतर्कता बढ़ाने के साथ-साथ गश्ती अभियान भी तेज कर दिया है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निगरानी उपकरणों और खुफिया तंत्र को भी सक्रिय किया गया है।

उपराज्यपाल ने श्री अमरनाथजी यात्रा गाइड बुक 2026 का विमोचन किया

श्रीनगर, 15 जून। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज लोक भवन में श्री अमरनाथजी यात्रा गाइड बुक के 15वें संस्करण का विमोचन किया।

उपराज्यपाल ने तीर्थ पर्यटन को बेहतर बनाने के लिए जम्मू पर्यटन महासंघ के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने महासंघ तथा उससे जुड़े सभी संगठनों द्वारा श्री अमरनाथजी यात्रा को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, सुगम और आध्यात्मिक रूप से संतोषजनक बनाने हेतु किए जा रहे सहयोगात्मक प्रयासों की भी प्रशंसा की।

गाइड बुक का यह संस्करण यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण जानकारी पुस्तिका के रूप में तैयार किया गया है। इसमें लखनपुर से पवित्र गुफा तक दोनों मार्गों पर उपलब्ध सुविधाओं, सुरक्षा प्रोटोकॉल, यात्रा अनुशासन, पंजीकरण प्रक्रिया, चिकित्सा सुविधाओं, आवास व्यवस्था तथा आपातकालीन संपर्क विवरण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है।

जम्मू पर्यटन महासंघ के अध्यक्ष तथा विश्व हिंदू परिषद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बताया कि जम्मू तवी आरती पहल की उल्लेखनीय सफलता से प्रेरित होकर अब नियमित आरती कार्यक्रमों का विस्तार क्षेत्र के अन्य पवित्र स्थलों जैसे सुरिनसर नाग मंदिर, बाबा कैलाख देव स्थान, पुरमंडल, घगवाल, जटवाल तथा रघुनाथ मंदिर तक किया गया है। उन्होंने बताया कि जम्मू पर्यटन महासंघ ने श्री अमरनाथजी यात्रा 2026 के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सहयोग से 29 जून (ज्येष्ठ पूर्णिमा) से नियमित आरती जारी रखने की व्यवस्था की गई है। आरती के प्रथम दिन 29 जून की सुबह स्थल पर पूजन किया जाएगा, जिससे पिछले वर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाया जाएगा।

अमरनाथ यात्रा के लिए साधुओं का जम्मू पहुंचने के साथ ही आध्यात्मिक उत्साह बढ़ा

जम्मू, 15 जून। 3 जुलाई से शुरू होने वाली 57 दिनों की सालाना अमरनाथ यात्रा से पहले कई साधु और आध्यात्मिक साधक पुराने शहर के राम मंदिर में पहुंचने और ठहरने लगे हैं। यह मंदिर यात्रा पर निकलने से पहले एक प्रमुख ट्रांज़िट सेंटर है। यात्रा आधिकारिक रूप से शुरू होने से हफ़्तों पहले ही मंदिर में साधुओं का आना-जाना शुरू हो गया है। वे दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर की यात्रा की तैयारी करते हुए अपना समय प्रार्थना, धार्मिक चर्चा और सेवा में बिताते हैं।

उनके द्वारा रोज़ मंदिर में भजन गूंज रहे हैं और बम बम भोले के जयकारे वातावरण को भक्तिमई बना रहे हैं। अयोध्या के साधु अमर दास ने कहा कि वे मंदिर में ठहरे साथी संतों की सेवा करने के लिए यात्रा से डेढ़ महीने पहले ही आ गए थे। उन्होंने कहा कि मैं संतों और भगवान के भक्तों की सेवा करता हूं और मैं किचन और खाने-पीने की सभी व्यवस्थाओं को संभालने में भी मदद करता हूं। दास जो 2014 से अमरनाथ यात्रा कर रहे हैं ने कहा कि राम मंदिर में संतों और तीर्थयात्रियों की सेवा करने से उन्हें बहुत खुशी मिलती है। पिछले साल उन्हें लकवा मार गया था। उन्होंने कहा कि मैंने महादेव से प्रार्थना की कृपया मुझे आपके दर्शन करने का एक आखिरी मौका दें। डॉक्टरों की सलाह के बावजूद मैंने यात्रा पूरी की और कई कम्युनिटी किचन में सेवा की।

हिमाचल प्रदेश के गणेश पुरी ने बताया कि वे तीन दशकों से ज़्यादा समय से इस यात्रा पर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस साल मज़बूत सुरक्षा इंतज़ामों और सभी के सहयोग से यह तीर्थयात्रा बहुत सफल रहने की उम्मीद है। सुविधाओं की कोई कमी नहीं होगी कोई बड़ी मुश्किल नहीं आएगी और डरने की कोई वजह नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा कि हम प्रार्थना करते हैं कि सभी की तीर्थयात्रा शुभ हो और रास्ते में किसी को भी किसी रुकावट, परेशानी या मुश्किल का सामना न करना पड़े। छत्तीसगढ़ की साध्वी बृहस्पति गिरी ने बताया कि यह उनकी पहली अमरनाथ यात्रा है। उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा और उनके बुलावे से ही मैं यहाँ आ पाई हूँ। ब्रह्मचारी पार्थ देव ने बताया कि वे पूरे भारत की यात्रा कर रहे थे और उन्हें अमरनाथ यात्रा करने की आध्यात्मिक प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि जब भगवान शिव हमारे साथ हों तो किसी भी तरह का डर या चिंता नहीं रहती। संत और साधु-महात्मा डरकर नहीं जीते। साधु ने कहा कि वे सभी जीवों की भलाई के लिए प्रार्थना करते हैं और कामना करते हैं कि सब खुश, स्वस्थ और दुखों से मुक्त रहें। उन्होंने कहा कि उनकी प्रार्थना सभी लोगों, जानवरों और अन्य जीवों के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव की होती है। राम मंदिर में रुके लोगों में तमिलनाडु के भैरव भी शामिल हैं जिन्होंने इस तीर्थयात्रा को बहुत ज़्यादा खुशी देने वाला अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि सब कुछ बहुत बढ़िया, शानदार और खुशियों से भरा है। बाबा अमरनाथ के दर्शन का मौका मिलना सचमुच एक आनंदमयी अनुभव है। भैरव ने बताया कि वे अपनी तीर्थयात्रा कई महीने पहले ही शुरू कर देते हैं और जम्मू पहुँचने से पहले कई प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा करते हैं।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर जल संसाधन नियामक प्राधिकरण के अध्यक्ष को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई

श्रीनगर, 15 जून। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज सुरेश कुमार गुप्ता को जम्मू-कश्मीर जल संसाधन नियामक प्राधिकरण (जेकेडब्ल्यूआरआरए) के अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह सिविल सचिवालय में आयोजित किया गया, जिसमें सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा जल संसाधन क्षेत्र से जुड़े कई अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने श्री गुप्ता को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनका समृद्ध प्रशासनिक अनुभव और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन की गहरी समझ केंद्र शासित प्रदेश में जल संसाधनों के सतत, न्यायसंगत और प्रभावी प्रबंधन के लिए प्राधिकरण के प्रयासों को और मजबूत करेगी। जम्मू-कश्मीर जल संसाधन नियामक प्राधिकरण एक वैधानिक संस्था है, जिसे केंद्र शासित प्रदेश में जल संसाधनों के विकास, प्रबंधन और संरक्षण की निगरानी एवं विनियमन का दायित्व सौंपा गया है। यह प्राधिकरण एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देने, जल सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा इस महत्वपूर्ण संसाधन के सतत उपयोग के लिए सरकार को नीतिगत और रणनीतिक सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सुरेश कुमार गुप्ता को जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा 9 जून 2026 को जारी अधिसूचना संख्या एस.ओ. 164 के तहत, जम्मू-कश्मीर जल संसाधन (विनियमन एवं प्रबंधन) अधिनियम, 2010 की धारा 139 के अंतर्गत जेकेडब्ल्यूआरआरए का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

रंग और डिजाइन का रखें ख्याल

आप जब ड्रेसेस खरीदने जाती हैं तो कलर को लेकर आपके मन में एक ऊहापोह सा बना रहता है, इससे बचने के लिए सबसे पहले तो आप ये बात ध्यान दें कि कपड़ा किसके लिए ले रही हैं। यदि आपका अपना रंग डार्क है तो आप लाइट कलर को तवज्जों दें तो आपके लिए बेहतर होगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि आप डार्क कलर नहीं पहन सकती हैं।

आप अपने डिजाइनर कलेक्शन में पर्पल, पिंक, पीच और रेड कलर के ड्रेस ले सकती हैं। आपकी पर्सनैलिटी में आपके कपड़ों के रंग के साथ उसके डिजाइन का भी अहम स्थान होता है। इस समय फैशन को लेकर लड़कियों में इंडियन आर्ट् के साथ कढ़ाई वाले ड्रेस साथ में हों, अच्छे कट्स और फिटिंग, यदि इनमें तार और पत्थरों के डिजाइन हों तो और भी अच्छा है। इसके साथ ब्राइट फ्रेश टोन अच्छे हैं। ट्यूनिक ड्रेसेस, इवनिंग गाउन, टॉप, स्कर्ट, लेगिंग्स पैंट और हूडेड जैकेट्स ये आजकल फैशन में हैं। आजकल जींस के साथ शार्ट कुरतों का काफी चलन है, जो आपको फंकी लुक देता है और साथ में आपके अंदर लीडरशिप जैसे गुण भी देता है। इसके साथ ही बफर प्लेटफार्म पहने तो खूब फबेगा और हां, यदि आप चूड़ीदार सलवार की जगह स्लैक्स या जींस ट्राय को अपने पर प्रयोग करें तो काफी आकर्षक और सेक्सी नजर आएंगी। आजकल स्लैक्स का फैशन बाजार में फिर से लौट आया है। हाई वेस्ट कुर्ते और रोल्ड अप स्लीवस के साथ एक खूबसूरत स्टोल आपको एक स्टाइलिश लुक देते हैं। आपकी खूबसूरती आपका कांफिडेंस होता है और ये मिलेगा आपकी थोड़ी सी समझदारी और समझ से, जो आपको अपने दोस्तों के बीच कांफिडेंसिव सुंदरता देता है।

क्या आजमाएं क्या करें एवाइड

आपको गर्मियों में ज्यादा एसेसरीज पहनने से हमेशा बचना चाहिए। ऑक्सीडेंट ज्वैलरी को न पहनें तो ही अच्छा है, इससे आपकी त्वचा पर इंफेक्शन हो सकता है। प्लास्टिक, जूट, लकड़ी की ज्वैलरी पहनें। आप चाहे तो कफ बैंगल्स को भी फैशन में यूज कर सकती हैं। इस समय एक हाथ में मोटे और अलग-अलग स्टाइल के बैंगल्स पहनने का काफी ट्रेंड है। इसमें डेनिम और कॉर्डरॉय के बैग इस समर में आपके स्टाइल को कई गुना बढ़ा सकते हैं। आपकी ये स्टाइल आपको जहां एक नया लुक देगी, वहीं आपको गर्मी के उलझनों से भी मुक्त रखने में सहायक होगी। चढ़ती-जलती धूप में कपड़ों के रंग का भी ख्याल रखना बहुत जरूरी है। गर्मियों में ड्रेस के कलर, कट्स और डिजाइन बिलकुल बदल जाते हैं। हल्के रंगों का महत्व बढ़ जाता है, जिसमें व्हाइट, पिंक, लाइट यलो, लाइट ब्लू रंग खास हैं। वहीं ब्लैक, ब्राउन और ग्रे रंगों को पहनने से बचें। अगर डिजाइन की बात की जाए, तो अंब्रेला, अनारकली, स्टेट जींस, नी-लेंथ कैपरी आदि पहन सकती हैं। हॉल्टेड, बैकलेस नेक भी समर में पहना जा सकता है।

कई कलर्स और डिजाइंस

इंडिगो ब्रदर्स ने इस मौसम के लिए बेहतरीन कलेक्शन लांच किया है। इसमें महिला व पुरुष दोनों के लिए कई तरह की ड्रेसेज लाई गई हैं। ये लाइटवेट हैं और इसमें खासतौर से शर्ट्स व टी- शर्ट में आपको कई कलर्स व डिजाइन मिल जाएंगे। ये डिजाइंस ग्राफिक्स, पैटर्न, स्ट्रिप्स, चेक्स वगैरह में हैं। इंटरनेशनल स्टाइल्स के साथ ही इसमें हाई फैशन, फेमनिन और वोगिस डिजाइंस मिलेंगे।

फैशन इंडस्ट्री अब सबको स्पेशल बनाने की तैयारी में है और वह भी जेब पर भारी पड़े बिना। दरअसल, खास क्लास तक सिमटी यह इंडस्ट्री नए बिजनेस की तलाश में अब मास के लिए भी काम करने लगी है। ऐसे में अब बाजार में कम दामों पर भी डिजाइनर ड्रेसेस मिलने लगी हैं।

फैशन का पॉकेट फ्रेंडली फंडा

फैशन और स्टाइल के मामले में पिछले कुछ समय से यूथ जितना कॉन्शस हुआ है, यह उतना ही अफोर्डेबल हुआ है। डिजाइनर ड्रेसेज अब उतने महंगे नहीं रहे। अब ये बेहद कम प्राइस वाले रेंज में भी मार्केट में उपलब्ध हैं। इसलिए अब ऑफिस, पार्टी से लेकर शादी तक की खास ड्रेस अपने लिए यूनीक चुनी जा सकती है और वह भी अपने पॉकेट के अनुसार। फैशन डिजाइनर्स भी मानने लगे हैं कि उनका कलेक्शन ऐसा हो जो सबकी पहुंच में हो। दिल्ली में हुए फैशन वीक में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां डिजाइनर्स अपने कलेक्शंस की प्राइस रेंज को एक खास बजट में लेकर आ रहे हैं।

क्या है कारण

मंदी ने हर बिजनेस का फंडा ठंडा कर दिया है और इससे उबरने के लिए लोग तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। फैशन भी इससे अछूता नहीं है। मंदी की मार झेल रहे फैशन ने इससे ऊबरने के लिए जोरदार तैयारी कर चुका है। अभी तक एक खास वर्ग के लिए कपड़े डिजाइन करने वाले डिजाइनर्स मिडिल क्लास से जुड़ने की सोच रहे हैं। इसके लिए वे तैयारी भी कर चुके हैं। तमाम डिजाइनर्स इस फंडे पर काम रहे हैं। यही वजह है कि अब डिजाइनर ड्रेसेस की शुरुआती रेंज 3000 से 4000 रुपए के बीच पहुंच गई है।

क्या कहते हैं डिजाइनर्स

फैशन इंडस्ट्री में एक मुकाम बना चुकी डिजाइनर अनुपमा कहती हैं, हर इंडस्ट्री बिजनेस ओरिएंटेड होती है। तमाम फैशन इवेंट्स इसी के लिए काम कर रहे हैं। इतनी बड़ी इंडस्ट्री एक खास क्लास के दम पर नहीं चल सकती। यही वजह है कि डिजाइनर्स अब लोगों के टेस्ट व बजट का ख्याल रखकर काम कर रहे हैं। यंग डिजाइनर सुदेश सोढ़ी कहते हैं कि मास के साथ जुड़ने में ही फैशन इंडस्ट्री को फायदा है, क्योंकि इंडस्ट्री को पैसा यहीं से मिलेगा। वैसे, वह फैशन ट्रेंड को भी इसकी एक वजह बताते हैं। इन दिनों ड्रेसेस में सेपरेट्स का ट्रेंड है। यानी एक बार लेगिंग या ट्राउजर खरीदने के बाद एक्सक्लूसिव कुर्ते, ट्यूनिक्स या शर्ट्स ली जा सकती हैं। बेशक, इस तरह पूरी ड्रेस महंगी नहीं पड़ेगी और आपको एक खास स्टाइल स्टेटमेंट भी मिल जाएगी।

कॉम्पिटीशन

पहले जहां गिने-चुने डिजाइनर्स होते थे, वहीं अब इंडियन फैशन इंडस्ट्री में डिजाइनर्स की काफी संख्या है। इनके आने से कॉम्पिटीशन टफ हुआ है। ऐसे में मार्केट में सरवाइव करने में कॉस्ट फैक्टर बेहद अहम हो जाता है। डिजाइनरों की होड़ से कस्टमर्स का काम आसान हुआ है। डिजाइनर राजीव इस बात से सहमत हैं। वह कहते हैं इस बार फैशन वीक में 141 डिजाइनर्स हिस्सा ले रहे हैं और जाहिर है सभी को बिजनेस चाहिए। इस फेर में फायदा कस्टमर को होगा। अगर किसी डिजाइनर को मास तक पहुंचना है, तो उन्हें खुद की पॉकेट का ख्याल रखना ही पड़ेगा। कुछ का यह भी मानना है कि इंडस्ट्री के पास फिलहाल टारगेट अपर मिडिल क्लास के कस्टमर्स को खुश करना है, दुनिया की निगाहें आज भी भारत के मिडिल क्लास पर टिकी हुई हैं।

क्वॉलिटी फैक्टर

फैशन के इस दौर में सब कुछ साथ साथ नहीं हो सकता। यदि आप चाहते हैं कि आप जो कपड़े पहने, वह डिजानर्स के द्वारा तैयार किया गया हो, क्वालिटी भी बेहतरीन हो और सस्ता भी हो, यह पूरी तरह से सच साबित नहीं हो सकता। आपको कुछ न कु छ तो कंप्रोमाइज करना ही पड़ेगा। डिजाइनर रजनी कहती हैं कि जिस तरह हर फिल्म सभी की पसंद पर खरी नहीं उतरती, उसी तरह हर क्लास के फैशन का टेस्ट भी अलग होगा। अब 5000 रुपए में ड्रेस पर स्पेशल स्वरोस्की वर्क नहीं मिल सकता। हालांकि इसे क्वॉलिटी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं कहेंगे, क्योंकि डिजाइनर वियर का मतलब ड्रेस के स्पेशल होने से ही होगा। फिर प्रेट लाइन का मतलब ही सभी के लिए स्पेशल रेडी टू वियर की वैरायटी होता है।

आकर्षक दिखने के फेर में त्वचा की शामत

महिलाओं में हमेशा आकर्षक दिखने की चाह रहती है। लेकिन कई बार होता यह है कि आकर्षक दिखने के चक्कर में वह इतनी क्रीमें या अन्य प्रसाधन बदल लेती हैं कि चेहरे का आकर्षण बढ़ने की बजाय कम हो जाता है। आकर्षक चेहरे के लिए पहली आवश्यकता है, ताजगी से भरपूर साफ व सुंदर त्वचा। आज महिलाएं स्वस्थ व कोमल त्वचा के प्रति जागरूक हो गई हैं और त्वचा की कांति बरकरार रखने के लिए किसी जादुई क्रीम की तलाश में हैं। क्रीम खरीदने की इच्छुक महिलाओं को तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है-

- वे महिलाएं जो उत्पादकों के लंबे-चौड़े वादों को झूठा मानती हैं किन्तु हिचकते हुए क्रीम खरीदती हैं।
- वे महिलाएं, जो किसी भी नई क्रीम का नाम सुनते ही उसे इस आशा में खरीद लेती हैं कि शायद इसी से उनका चेहरा आकर्षक बन जाए।
- ऐसी महिलाएं, जो क्रीम की अधिक कीमत को ही उसके असरदार होने की गारंटी मान लेती हैं।

आप इन तीनों में से किसी भी प्रकार की ग्राहक क्यों न हों, वास्तविकता यह है कि कोई भी क्रीम, जो आप लगाती हैं, आपके चेहरे पर असर तो करती ही है क्योंकि हर क्रीम पानी की नमी को बरकरार रख कर त्वचा को सूखने से बचाती है। ज्ञातव्य है कि महिलाओं के चेहरे पर उम्र के लक्षण पैदा करने में सूखी त्वचा ही सबसे अधिक गुनाहगार साबित होती है। आप देखेंगी कि अकसर सौंदर्य विशेषज्ञ किसी एक क्रीम का विज्ञापन करते नजर आते हैं पर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि कुछ तत्व ऐसे होते हैं, जिनसे कोई भी क्रीम अधिक असरदार हो जाती है, वे तत्व इस प्रकार हैं-

(सेरामाइड)- सेरामाइड स्वाभाविक रूप से त्वचा के कोषों को आपस में जोड़े रखता है, तथा त्वचा को लटकने से बचाता है।

(अल्फा हाइड्रोसी एसिड)- यह दूध, फल और गन्ने से बनाया जाता है पर अब इस का सिंथेटिक उत्पादन भी शुरू हो गया है। इससे त्वचा में चमक और कोमलता आती है। यह त्वचा की कोशकीय गतिविधि को बढ़ा कर उसकी नमी बरकरार रखने की क्षमता में वृद्धि करता है। झुर्रियों के इलाज के लिए ग्लाइकोलिक और लेक्टिक एसिड सबसे असरदार होते हैं। लेकिन एएचए के अधिक प्रयोग से त्वचा की परतें उखड़ने लगती हैं। सूर्य की किरणों के प्रति भी त्वचा अधिक संवेदनशील हो जाती है इसलिए याद रखें कि इसका प्रयोग सप्ताह में एक या दो बार ही करना चाहिए।

(विटामिन)- विटामिन ए से त्वचा की नमी बढ़ती है। विटामिन बी-5 त्वचा की कंडीशनिंग कर उसको मुलायम बनाता है। एंटीआक्सीडेंट ई से भी त्वचा को विशेष लाभ पहुंचता है।

(सनस्क्रीन)- त्वचा को रोजमर्रा में यूवए और यूवीबी किरणों से बचाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक तत्व है। त्वचा को सुंदर और आकर्षक बनाए रखने के लिए निम्न हिदायतों पर गौर किया जा सकता है- त्वचा की देखभाल ध्यान से करें क्योंकि झुर्रियों के लक्षण नजर आते ही अनेक महिलाएं घबरा जाती हैं और तरह-तरह की क्रीमों का प्रयोग करने लगती हैं। वैसे क्रीमों का प्रयोग अगर अधिक मात्रा में किया जाए तो उससे त्वचा के प्राकृतिक उत्पादनों में कमी आ जाती है। इससे त्वचा रूखी और बेजान होने लगती है और झुर्रियां भी बढ़ने लगती हैं।

सौंदर्य विशेषज्ञों की सलाह है कि सौंदर्य प्रसाधनों का अत्यधिक प्रयोग करना हानिकारक होता है। यदि आपकी त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं है तो टोनर के प्रयोग से बचना चाहिए। चेहरे पर गुनगुने पानी के छींटे मारने से भी त्वचा साफ हो जाती है। अगर आप त्वचा को पानी से धोना पसंद करती हैं तो साबुन रहित क्लींजर का प्रयोग करें। वैसे क्रीम क्लींजर सबसे अधिक असरदार होते हैं। मुलतानी मिट्टी व चंदन का लेप करने से भी काफी फायदा होता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जेकेएएसीएल का 20 दिवसीय समर चिल्ड्रन वर्कशॉप शुरू, 90 बच्चे ले रहे हैं हिस्सा

जम्मू, 15 जून (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी (जेकेएएसीएल) ने सोमवार को अपने 20 दिवसीय समर चिल्ड्रन वर्कशॉप का उत्साहपूर्ण शुभारंभ किया। कार्यक्रम का उद्घाटन अकादमी की अतिरिक्त सचिव सोनाली अरुण गुप्ता ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उद्घाटन समारोह में संजीव गुप्ता (एसओसीए), अनिल टिक्कू (एसीओ), प्रख्यात रंगकर्मी नीरज कांत, कला विशेषज्ञ चंद्रशेखर, नृत्य विशेषज्ञ हिमानी कपूर तथा चित्रकला विशेषज्ञ ज्येष्ठा जम्वाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जेकेएएसीएल द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली यह कार्यशाला बच्चों की रचनात्मकता और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित की जाती है। समर वेकेशन के दौरान बच्चों को थिएटर, पेंटिंग और नृत्य जैसी विधाओं में विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस अवसर पर सोनाली अरुण गुप्ता ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं बच्चों को अपनी छुट्टियों का रचनात्मक और सार्थक उपयोग करने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने बच्चों को कार्यशाला से अधिकतम लाभ उठाने और अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानने के लिए प्रेरित किया। इस वर्ष थिएटर कार्यशाला का संचालन वरिष्ठ रंगकर्मी और निर्देशक नीरज कांत कर रहे हैं जिन्हें इस क्षेत्र में चार दशक से अधिक का अनुभव है। पेंटिंग कार्यशाला का नेतृत्व प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट एवं मीडिया क्रिएटर चंद्रशेखर कर रहे हैं जबकि उनके साथ फाइन आट्‌र्स में स्नातकोत्तर ज्येष्ठा जम्वाल सहयोग कर रही हैं। नृत्य कार्यशाला का संचालन हिमानी कपूर द्वारा किया जा रहा है।

कार्यशाला में विभिन्न स्कूलों के लगभग 90 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना तथा उन्हें रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारने का मंच उपलब्ध कराना है। 20 दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला का समापन प्रतिभागियों द्वारा सीखे गए कौशलों की प्रस्तुति के साथ होगा जिसमें बच्चे अपने प्रशिक्षण के दौरान अर्जित अनुभव और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

जम्मू, 15 जून (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को सुंदरबनी कस्बे में राज्य का दर्जा बहाल करने, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और पेपर लीक की घटनाओं के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की तथा विभिन्न जनहित मुद्दों पर अपनी नाराजगी व्यक्त की।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व एमएलसी रविंद्र शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर राज्य का दर्जा शीघ्र बहाल करने की मांग उठाई और बढ़ती महंगाई, रिकॉर्ड बेरोजगारी तथा भर्ती परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों को लेकर सरकार को घेरा।

सुंदरबनी बस स्टैंड पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए रविंद्र शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के कई वादे किए, लेकिन अब तक उन्हें पूरा नहीं किया गया। उन्होंने इसे जम्मू-कश्मीर के 1.40 करोड़ लोगों के साथ विश्वासघात करार दिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस ने सत्ता में शामिल होने के बजाय राज्य का दर्जा बहाल करवाने के लिए 'हमारी रियासत, हमारा हक' आंदोलन शुरू किया और अब इसे और तेज किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और भर्ती परीक्षाओं में बार-बार होने वाले पेपर लीक से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है।

एक साथ रंग मंडल ने प्रस्तुत किया 521वां मंडे थिएटर, नशा मुक्ति का दिया सशक्त संदेश

जम्मू, 15 जून (हि.स.)। एक साथ रंग मंडल ने अपने नियमित मंडे थिएटर श्रृंखला के अंतर्गत सोमवार को जम्मू नगर निगम (जेएमसी) पार्क, रविदास मंदिर के निकट, डेंटल कॉलेज जम्मू के पास अपना 521वां मंडे थिएटर प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रगतिशील नुक्कड़ नाटक 'जन-जन को दे संदेश, नशा मुक्त हो अपना देश' का मंचन किया गया। नाटक का केंद्र बिंदु समाज में बढ़ती नशाखोरी की समस्या और उसके दुष्परिणाम रहे। नाटक में पूर्व सैनिक शुभा राम ने एक जागरूक नागरिक की भूमिका निभाते हुए युवाओं को नशे की लत से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत किया। उन्होंने बताया कि नशा न केवल युवाओं के स्वास्थ्य, चरित्र और व्यवहार को प्रभावित करता है, बल्कि परिवारों की खुशियों और आर्थिक स्थिरता को भी नष्ट कर देता है।

100 दिन नशा मुक्त अभियान-कठुआ में जागरूकता गतिविधियां हुईं तेज

कठुआ, 15 जून (हि.स.)। 100 दिन नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ जिले में जागरूकता गतिविधियों को और तेज कर दिया गया है। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न शिक्षण संस्थानों, स्वास्थ्य केंद्रों और शहरी निकायों में कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

सरकारी डिग्री कॉलेज हीरानगर रामकोट और महानपुर में जागरूकता सत्र और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए गए जिनमें छात्रों और स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रमों में युवाओं को नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया। जीडीसी महानपुर में ग्रीन अर्थ पहल के तहत पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर दिया गया। गांव पलूना और मढ़हीन में भी सामुदायिक

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए जहां लोगों को नशे के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। लोगों से अपील की गई कि वे अपने आसपास नशे के खिलाफ सतर्क रहें और सक्रिय भूमिका निभाएं। नगर समिति बिलावर ने भी विभिन्न वार्डों में अभियान चलाकर लोगों को नशा मुक्ति का संदेश दिया। वहीं पीएचसी लोहाई में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने नशे के नुकसान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। इन गतिविधियों में आम जनता की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली जो नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर के लक्ष्य की दिशा में सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है।

लेह के गोम्पा गांव में एल-जी वी.के. सक्सेना ने पुनर्जीवित टी-ट्रेंच जल स्रोत का उद्घाटन किया

▸▸पहल का उद्देश्य पेयजल सुरक्षा को मजबूत करना, लगभग 2,000 निवासियों को होगा लाभ

▸▸एल-जी बोले - टी-ट्रेंच का पुनर्जीवन जल संरक्षण और जल के सम्मान की क्षेत्र की सदियों पुरानी परंपरा की पुनर्पुष्टि है

लेह, 15 जून। लद्दाख में सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा देने और पेयजल सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने आज लेह के गोम्पा गांव के स्पांग-जुंग क्षेत्र में पुनर्जीवित विशिष्ट टी-ट्रेंच जल स्रोत का उद्घाटन किया।

पुनर्जीवित टी-ट्रेंच, जो एक ऐतिहासिक प्राकृतिक झरने से पोषित जल स्रोत है, से लगभग 2,000 निवासियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे जल उपलब्धता में वृद्धि होगी तथा भूजल पुनर्भरण में सुधार आएगा। इस परियोजना से जल स्रोत की जल आपूर्ति क्षमता पुनर्जीवन से पहले प्रतिदिन 3 लाख लीटर से बढ़कर पुनर्स्थापन के बाद प्रतिदिन 5 लाख लीटर हो जाएगी, जिससे क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। 1980 के दशक में निर्मित यह झरना-आधारित टी-ट्रेंच कभी पूरे लेह शहर के लिए पेयजल का एकमात्र स्रोत था। हालांकि, तेज शहरीकरण और इसके आसपास हुए अव्यवस्थित विकास के कारण इस जल स्रोत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और समय के साथ यह लगभग निष्क्रिय हो गया। लेकिन 13 मार्च को उपराज्यपाल का कार्यभार संभालने के बाद श्री सक्सेना ने अधिकारियों को मिशन मोड में इसके पुनर्जीवन का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। पुनर्जीवन पहल के तहत कई संरक्षण उपाय किए गए हैं, जिनमें पर्यावरण अनुकूल गैबियन पत्थर चिनाई संरचनाओं के माध्यम से पारंपरिक जल स्रोतों की सुरक्षा शामिल है। ये संरचनाएं अपने छिद्रों से पानी को रिसने देती हैं, जिससे भूजल पुनर्भरण में सहायता मिलती है। इसके अलावा, जल स्रोत में जमा भारी मात्रा में गाद और मलबे को हटाकर प्राकृतिक जल प्रवाह को बहाल किया गया। साथ ही सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक फिल्ट्रेशन सिस्टम भी स्थापित किए गए हैं। इस स्थल को एक आकर्षक सार्वजनिक स्थान के रूप में भी विकसित किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि टी-ट्रेंच का पुनर्जीवन क्षेत्र की उस प्राचीन परंपरा की पुनर्पुष्टि है, जिसमें जल का सम्मान और संरक्षण सर्वोच्च महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि लद्दाख वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों का सामना कर रहा है, जिनमें बर्फबारी में कमी, ग्लेशियरों का सिकुड़ना, तापमान में वृद्धि तथा भूजल स्तर में गिरावट शामिल है।

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 के राष्ट्रीय चरण में जम्मू की दो बेटियों का चयन

जम्मू, 15 जून (हि.स.)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा माई भारत के माध्यम से 15 से 17 जून तक नई दिल्ली में आयोजित किए जा रहे 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026' के राष्ट्रीय चरण में जम्मू की दो प्रतिभाशाली युवतियों हेमन्या पुरी और भावना शर्मा का चयन हुआ है। दोनों प्रतिभागियों ने जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर तक अपनी जगह बनाई है। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम युवाओं की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भागीदारी को मजबूत करने और उन्हें शासन व्यवस्था तथा संसदीय कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय चरण में प्रतिभागी नारी शक्ति वंदन- समावेशिता और विकसित भारत 2047 को गति प्रदान करना विषय पर विचार-विमर्श करेंगे। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में संसदीय बहस, प्रश्नकाल सत्र, नेतृत्व विकास मास्टरक्लास तथा प्रधानमंत्री संग्रहालय और नए संसद भवन का भ्रमण भी शामिल है। कार्यक्रम का उद्घाटन 16 जून को संसद के केंद्रीय कक्ष में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया और युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे भी उपस्थित रहेंगी।

हेमन्या पुरी और भावना शर्मा का चयन जम्मू-कश्मीर के युवाओं की बढ़ती प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय विमर्श में उनकी सक्रिय भागीदारी का प्रतीक माना जा रहा है। उनकी उपलब्धि न केवल जम्मू क्षेत्र बल्कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश के लिए गर्व का विषय है और विकसित भारत 2047 के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करती है।

पौधारोपण और नशा मुक्ति अभियान का आयोजन

जम्मू, 15 जून (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं स्टेट अवॉर्डी महंत रोहित शास्त्री के नेतृत्व में जम्मू नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र के पलौड़ा में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा संचालित नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान को जनसमर्थन प्रदान करना तथा संस्कृत भाषा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर रामा बिल्डर्स के प्रतिष्ठान पर संस्कृत भाषा में नाम पट्टिका स्थापित की गई। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया, पौधारोपण किया गया तथा संस्कृत में प्रेरणादायक स्लोगन प्रदर्शित किए गए। इन संदेशों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्त जीवन का महत्व लोगों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महंत रोहित शास्त्री ने कहा कि ट्रस्ट समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की पहचान है और इसके प्रचार-प्रसार से समाज में नैतिक तथा आध्यात्मिक मूल्यों को मजबूती मिलती है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भंडार की आपूर्ति हेतु आमंत्रित निविदा इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अन्तर्गत

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मंडल सामग्री प्रबन्धक/उत्तर रेलवे/भंडार शाखा/फ़िरोज़पुर द्वारा संभरणकर्ताओं से निम्नलिखित मदों के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है:—

क्र0 सं0	निविदा संख्या	माल का विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
01	94265168	SIC of Ultra Thermic/Exothermic Cutting Equipment	04 sets	09.07.2026

निविदा शर्तें— ireps की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। सभी इच्छुक विक्रेताओं को ई-टेंडर में भाग लेने तथा पंजीकरण कराने के लिए भारत सरकार आई टी अधिनियम 2000 के तहत प्राधिकृत प्रमाणित एजेंसी से क्लास-III डिजिटल प्रमाण पत्र (यदि पहले से प्राप्त नहीं किया है तो प्राप्त करना होगा) हस्तलिखित निविदा स्वीकृत नही की जाएगी। **टेंडर नोटिस सं: 03/2026—27 दिनांक: 15.06.2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2038/26

Department of Wildlife Protection J&K Government
OFFICE OF THE WILDLIFE WARDEN KATHUA
Tel/Fax No. 01922-294037,

E-TENDERING

Short term e-Tender Notice: e-NIT No.: - 05/WLW/K of 2026-27 Dated: 13-06-2026.

For and on behalf of the Hon'ble Lt. Governor of UT of Jammu & Kashmir, e-tenders are invited from approved and eligible contractors registered with J&K State Govt. /Central Govt. Organizations for the following works

Name of work	Adv. Cost (₹. in lacs)	Earnest Money (2% of the total estimated cost)	Class of Contractor	Cost of Tender Document/Tender Fee(In Rs)	Time of completion	Receiving /Opening Authority
RCC Silt Detention Structure No 14 Across Shikhri Nala Village Nora Right Side in Thein CR Wildlife Division Kathua Under CAMPA (CAT PLAN) 2026-27.	8.60 lacs	Rs. 17200/- @ 2% of the tendered amount in shape of CDR/FDR pledged to Wildlife Warden Kathua	All Classes	600.00 (Non-Refundable) Deposited in Govt. treasury through challan under the receipt head 0406 in favour of the Wildlife Warden Kathua payable at Kathua mentioning name of work	30 days	Tender Opening Committee

The e-NIT, consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, bill of quantities (B.O.Q), set of Terms & Conditions of contract and other details, can be seen/downloaded from the departmental Website: - http://jktenders.gov.in

Position of AA/TS: Accorded.
Position of Funds: Available.

Publishing Date	**13-06-2026**
Download Start Date	**13-06-2026**
Bid Submission Start Date	**13-06-2026**
Bid submission End Date (online)	**19-06-2026 up to 3.00 PM**
Date of opening of Technical Bid	**20-06-2026 at 11:30 AM (In the Office of Regional Wildlife Warden Jammu, Manda Hills Jammu)**
Date of opening of Financial Bid (online)	**20-06-2026 at 11:30 AM (In the Office of Regional Wildlife Warden Jammu, Manda Hills Jammu)**

Bid documents can be seen at and downloaded from the website: - https://jktenders.gov.in. Bid documents contain qualifying criteria for bidder, specifications, bill of quantities, conditions and other details.

Terms & Conditions:

1. Bids uploaded must accompany Govt. Treasury Receipt in shape of Treasury Challan for the amount shown against the work above to be deposited in Govt. Treasury under Account Head 0406-Forest and earnest money Deposit (EMD) in shape of CDR/FDR pledged to Wildlife Warden Kathua. The bids for the work shall remain valid for a period of 120 days from the date of opening of bids.
2. In case the cost of lowest bidder is found below the advertised amount, the bidder has to deposit an additional security performance in the shape of CDR/FDR before issuance of award of contract to the tune as per below details:-
3. The Performance security @ 3% of the advertised cost in the shape of CDR/FDR shall have to be deposited by the lowest bidder (L1) & will remain in force for a period till the satisfactory physical completion of the contract plus the defect liability period of six months.:-
4. In addition to performance security, an additional performance security will be deposited in case of abnormally low bids as per circular issued by the J&K Finance department vide No. FD Code/441/2021-02-158 dated 08.08.2025
5. The price bids uploaded on the website in time will be opened after the evaluation of the Technical Bids by the Departmental Tender Opening Committee. The dates of opening price bids as per NIT. The price bids will also be opened in the office of Regional Wildlife Warden, Manda Hills Jammu.
6. The bids for the work shall remain valid for a period of 30 days from the date of opening of bids if any bidder/ tenderer withdraws his bid/tender before the said period or makes any modifications in the terms and conditions of the bid, the same earnest money shall stand forfeited.
7. No Engineer of Gazetted rank or other Gazetted Officer employed in Engineering or Administrative duties in an Engineering Department of the State Government is allowed to work as the contractor for a period of two years after his retirement from government service without permission of the government. This contract is liable to be cancelled if either the contractor or any of his employees is found any time to be such a person who had not obtained permission from the government as aforesaid before submission of the tender or engagement in the contractor's service.
8. The interested bidder can download the NIT / Bidding documents from the website:- https://jktenders.gov.in.

NO.: WLW/K/Tender/2026-27/142-146 Date: 13-06-2026.

Sd/-
Vijay Kumar, SFS
Wildlife Warden
Kathua

DIP/J-3692/26
Dtd: 15-6-2026

सीएसआईआर-आईआईआईएम ने सीजीएमपी-अनुपालक हर्बल दवा निर्माण पर दो माह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया

जम्मू, 15 जून । उद्योगोन्मुख फार्मास्युटिकल शिक्षा को सुदृढ़ करने तथा हर्बल दवा निर्माण के क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सीएसआईआर-भारतीय समेकित औषधि संस्थान (सीएसआईआर-आईआईआईएम), जम्मू ने अपने प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (टीबीआई) के माध्यम से तथा इंडस्ट्रियल बायोटेक पार्क के सहयोग से सोमवार को ॐसीजीएमपी-अनुपालक पायलट प्लांट पर हर्बल दवाओं के निष्कर्षण, निर्माण एवं पैकेजिंगॐ विषय पर दो माह का प्रमाणपत्र कार्यक्रम शुरू किया।

यह कार्यक्रम 15 जून से 14 अगस्त 2026 तक चलेगा और इसका आयोजन बायोनेस्ट बायोइन्क्यूबेशन सेंटर, सीएसआईआर-आईआईआईएम-टीबीआई तथा इंडस्ट्रियल बायोटेक पार्क (आईबीटीपी), कठुआ द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम की प्रशिक्षण पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

उद्घाटन सत्र में वैज्ञानिकों, संकाय सदस्यों तथा फार्मेसी संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभिन्न महाविद्यालयों से आए 22 से अधिक विद्यार्थियों को हर्बल निष्कर्षण, फॉर्मुलेशन विकास, पैकेजिंग तकनीकों तथा गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस अवसर पर बोलते हुए सीएसआईआर-आईआईआईएम जम्मू के निदेशक डॉ. ज़बीर अहमद ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए कक्षा आधारित अध्ययन और वास्तविक औद्योगिक अनुभव के बीच की दूरी को कम करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी भले ही फार्मास्युटिकल निर्माण का सैद्धांतिक अध्ययन करते हों, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) मानकों के अनुरूप वर्तमान उत्तम विनिर्माण प्रक्रियाओं (सीजीएमपी) वाली इकाई में व्यावहारिक प्रशिक्षण उन्हें उद्योग में अपनाए जाने वाले वास्तविक उत्पाद विकास मानकों की समझ प्रदान करेगा।

उन्होंने बताया कि सीएसआईआर-आईआईआईएम में निष्कर्षण, टैबलेट निर्माण, कैप्सूल उत्पादन, सिरप निर्माण तथा एरोमैटिक फॉर्मुलेशन के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक समुदाय का भावी सदस्य मानते हुए प्रशिक्षण अवधि का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. अहमद ने संस्थान की व्यापक वैज्ञानिक गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सीएसआईआर-आईआईआईएम प्राकृतिक उत्पादों तथा फाइटोफार्मास्युटिकल दवा खोज का एकीकृत मॉडल है, जिसमें औषधीय संसाधनों की खोज, प्रमाणीकरण, निष्कर्षण, फॉर्मुलेशन विकास तथा औषधीय परीक्षण तक की संपूर्ण प्रक्रिया शामिल है। उन्होंने कहा कि संस्थान में जीएलपी मानक पशु गृह, 5,000 लीटर क्षमता तक का फर्मेंटेशन पायलट प्लांट, गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली, केंद्रीय उपकरण सुविधाएं तथा बायोसेफ्टी अवसंरचना जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

संपादकीय

घाटी में शराबबंदी

केंद्र शासित प्रदेश के केवल एक संभाग में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाना एक अभूतपूर्व निर्णय होगा, लेकिन लोगों की मांग, विशेषकर देश की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय पार्टी के कार्यकर्ताओं की मांग को देखते हुए, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। एक जनप्रिय सरकार से यह अपेक्षा की जाती है कि वह जनता की भावनाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप निर्णय ले। यह एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दा बन चुका है, क्योंकि कई संगठन और वर्ग घाटी में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं, यह कहते हुए कि यह क्षेत्र के सामाजिक और धार्मिक मूल्यों के विपरीत है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि घाटी की बहुसंख्यक आबादी के धर्म में शराब का सेवन निषिद्ध माना जाता है और इसकी खुलेआम बिक्री से अनेक लोगों की धार्मिक एवं सामाजिक भावनाएं आहत हो रही हैं। लोगों का आरोप है कि शराब की आसान उपलब्धता युवाओं को इस सामाजिक बुराई की ओर आकर्षित कर रही है।

इसी संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी ने मई माह में श्रीनगर में शराब की दुकानों के संचालन के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया था और घाटी में शराब बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग उठाई थी। भाजपा नेताओं ने शराब बिक्री के विरोध में नारे लगाए और नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर शराब संस्कृति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। कई लोग कश्मीर घाटी में शराब की बिक्री को वहां की सामाजिक और धार्मिक पहचान पर सीधा आघात मानते हैं।

ऐसे में यह आवश्यक है कि सरकार जनभावनाओं का सम्मान करे और स्थानीय लोगों के लिए शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करे। हालांकि कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है और यह देश ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। इसलिए पूर्ण शराबबंदी लागू करना व्यावहारिक नहीं माना जा सकता। ऐसे में जम्मू-कश्मीर सरकार को एक ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिसके तहत पर्यटकों को आवश्यक पहचान पत्र दिखाने के बाद शराब उपलब्ध कराई जा सके तथा इसके सेवन के लिए निर्धारित स्थान और नियम बनाए जाएं, ताकि स्थानीय आबादी के साथ किसी प्रकार का टकराव या सार्वजनिक असुविधा उत्पन्न न हो।

इस विषय पर निर्णय लेने से पहले सरकार को कई अन्य पहलुओं पर भी विचार करना होगा। स्थानीय स्तर पर शराबबंदी से अवैध शराब कारोबार को बढ़ावा मिल सकता है और सरकारी राजस्व पर भी असर पड़ सकता है। यह राजस्व जनकल्याण और विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

आदर्श स्थिति यह होगी कि लोगों को स्वयं यह तय करने की स्वतंत्रता हो कि वे शराब का सेवन करना चाहते हैं या नहीं। लेकिन चूंकि इस मुद्दे पर व्यापक जनचिंता मौजूद है, इसलिए सरकार को संतुलित और व्यावहारिक रास्ता अपनाना होगा।

सभी तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार को जनता की मजबूत भावनाओं की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। इसलिए किसी भी निर्णय से पहले राजनीतिक प्रतिनिधियों, धार्मिक नेताओं तथा अन्य संबंधित पक्षों से व्यापक परामर्श किया जाना आवश्यक है, ताकि ऐसा समाधान निकाला जा सके जो सामाजिक संवेदनशीलता, जनभावनाओं, पर्यटन हितों और प्रशासनिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित कर सके।

एफटीए विकसित भारत के लिए नई व्यापार संरचना का निर्माण कर रहे हैं

हाल के समझौते और आगे बढ़ते हुए बाजार तक पहुंच को निवेश परिणामों से सीधे जोड़ते हैं। इसका प्रमुख उदाहरण है, भारत-ईएफटीए समझौता, जिसमें यह शर्त रखी गयी है कि ईएफटीए देशों को भारतीय बाजार तक पहुंच तभी मिलेगी, जब वे 100 बिलियन डॉलर के एफडीआई का वादा करेंगे और भारत में दस लाख नौकरियां पैदा करेंगे। भारत-न्यूजीलैंड एफटीए में भी ऐसे ही प्रावधान हैं, जिनके तहत लंबे समय के निवेश के वादे के बदले भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार तक पहुंच की सुविधा दी गयी ह

– राजेश अग्रवाल

विकसित भारत का विज़न हासिल करने के लिए अगले दो दशकों तक आर्थिक विकास की उच्च दर बनाए रखना ज़रूरी है। भारत का विशाल घरेलू बाजार इस विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन है, लेकिन केवल इसी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक प्रतिस्पर्धी पैमाने और वास्तविक तकनीकी परिवर्तन हासिल करने के लिए, भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के नेटवर्क के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ मजबूती से एकीकृत हो रहा है। जहां डब्ल्यूटीओ समझौते नियम-आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली के लिए आधारशिला प्रदान करते हैं, वहीं एफटीए इच्छुक साझेदारों को डब्ल्यूटीओ आधारशिला पर आगे बढ़ाते हुए रुचि के अन्य क्षेत्रों में अधिक गहराई से एकीकरण करने में सक्षम बनाते हैं। आर्थिक एकीकरण और साझेदार देशों के अनुसार नियम बनाने के महत्वपूर्ण चालक के रूप में वर्तमान में लागू 384 अधिसूचित एफटीए अपनी उपयोगिता रेखांकित करते हैं। ये एफटीए महत्वपूर्ण बाजार तक पहुंच बनाने और भारतीय व्यवसायों को वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथलके अनिश्चित हालात से बचाने के लिए संस्थागत रूपरेखा (ब्लूप्रिंट) हैं।

वैश्विक आर्थिक अवसरों तक पहुंच भी उन भारतीय व्यवसायों के लिए जरूरी है, जो बड़े पैमाने पर काम करके वैश्विक चैम्पियन के तौर पर उभरना चाहते हैं। लेकिन फायदा केवल बड़े व्यवसायों तक सीमित नहीं है; एफटीए स्टार्ट-अप, एमएसएमई, किसानों, मछुआरों और भारतीय प्रतिभा के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर के द्वार खोलते हैं, जो अपनी क्षमताओं का विश्व स्तर पर लाभ उठाना चाहते हैं। ये बाध्यकारी प्रतिबद्धताएँ टैरिफ, सेवा बाजार तक पहुंच और पारदर्शी व्यापार नियमों को शामिल करती हैं, जिससे भारतीय व्यवसायों को लंबी अवधि के निवेश के लिए भरोसेमंद वातावरण मिलता है।

भारत की व्यापार बातचीत की रणनीति काफी विकसित हो चुकी है, और इसका ध्यान उन पूरक अर्थव्यवस्थाओं पर है, जो वस्तु और सेवाओं के लिए मुख्य निर्यात बाजार के रूप में काम करती हैं। हाल के मुक्त व्यापार समझौतों का एक मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय संघ, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में समान अवसर प्राप्त हों। यह समानता विशेष रूप से वस्त्र, परिधान और जूते जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों के लिए जरूरी है, जहां ऐतिहासिक रूप से भारतीय उत्पादों पर भारी टैरिफ लगता रहा है, जबकि प्रतिस्पर्धियों को शुल्क मुक्त पहुँच मिलती है। कनाडा, इज़राइल और ईएईयू और एमईआरसीओएसयूआर जैसे समूहों के साथ भी भारत व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है।

सेवाएँ भारत की निर्यात रणनीति और इसके एफटीए वार्ताओं के केंद्र में हैं। सीमापार डिजिटल डिलीवरी पर पक्के वादे करके, हाल के एफटीए, तेजी से बढ़ते वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) इकोसिस्टम, तकनीकी स्टार्टअप्स और डिजिटल नवोन्मेषियों के बीच निवेशकों के भरोसे को बढ़ाने में मदद करते हैं।

डिजिटल डिलीवरी सेवाओं के अलावा, एफटीए ने भारत को वार्ताओं में नए तरीके अपनाने का मौका दिया है, जिससे ऐसी बाध्यकारी प्रतिबद्धताएँ हासिल हुई हैं, जो भारतीय प्रतिभा, खासकर युवाओं के आवागमन को बढ़ाती हैं। मुख्य उपलब्धियों में शामिल हैं - छात्र और पेशेवरों के लिए आवागमन प्रावधान और साइड-लेटर, भारत-यूके दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) जैसे फ्रेमवर्क, जो अस्थायी कार्य के लिए दोहरी सामाजिक सुरक्षा कराधान को रोकते हैं, और योग जैसे खास क्षेत्रों में आवागमन अधिकार।

भारत के नई पीढ़ी के एफटीए की एक विशेषता व्यापार और निवेश के बीच गहरे संबंध को मान्यता देना है। प्रमुख वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान करके और प्रमुख निर्माण सामग्री के आयात को आसान बनाकर, यह नेटवर्क बढ़ती मांग के साथ मिलकर भारत को निर्माण और निवेश के लिए बेहद आकर्षक गंतव्य बनाता है।

हाल के समझौते और आगे बढ़ते हुए बाजार तक पहुंच को निवेश परिणामों से सीधे जोड़ते हैं। इसका प्रमुख उदाहरण है, भारत-ईएफटीए समझौता, जिसमें यह शर्त रखी गयी है कि ईएफटीए देशों को भारतीय बाजार तक पहुंच तभी मिलेगी, जब वे 100 बिलियन डॉलर के एफडीआई का वादा करेंगे और भारत में दस लाख नौकरियां पैदा करेंगे। भारत-न्यूजीलैंड एफटीए में भी ऐसे ही प्रावधान हैं, जिनके तहत लंबे समय के निवेश के वादे के बदले भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार तक पहुंच की सुविधा दी गयी है।

आधुनिक व्यापार अब केवल टैरिफ तक सीमित नहीं है; इसके लिए 21वीं सदी के आयामों को समझना और नियमों पर ध्यान देना जरूरी है, जैसे व्यापार में तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), स्वच्छता और पादप-स्वच्छता से जुड़े उपाय (एसपीएस), और व्यापार सुगमता (टीएफ)। भारत के अगली पीढ़ी के एफटीए इन रूपरेखाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

अक्सर, टैरिफ़ की तुलना में उत्पाद मानक और अन्य नियामक आवश्यकताएँ बाजार तक पहुँचने में ज़्यादा बड़ी रुकावटें पैदा करती हैं। भारत के एफटीए में नियामक समन्वय और सहयोग के प्रावधान भारतीय निर्यातकों के संदर्भ में इन बाधाओं को कम करने के लिए व्यवस्थित व संस्थागत तरीके प्रदान करते हैं।

पर्यावरण और श्रम मानक व्यापार में संभावित बाधाओं के रूप में उभर रहे हैं और इनके लिए उपाय न करना अब कोई विकल्प नहीं है। भारत के नए एफटीए इन चिंताओं को दूर करने के लिए ऐसी सहयोगात्मक व्यवस्था पेश करते हैं,जिससे भारतीय हितों को नुकसान न पहुंचे। ये वैश्विक साझेदारों को भरोसा दिलाते हैं कि भारत मानकों के मामले में सबसे निचले स्तर पर पहुँचने की होड़ से बचते हुए, वास्तविक नवाचार और बड़े पैमाने पर काम करके प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करना चाहता है।

भारत की एफटीए नीति टुकड़ों में नहीं है, या देश-दर-देश नहीं है। यह जानबूझकर ऐसी पूरक अर्थव्यवस्थाओं को लक्षित करती है, जिनकी वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में दो-तिहाई और वैश्विक आयात मांग में 75त्न की हिस्सेदारी है।

सबसे जरूरी बात यह है कि इन एफटीए पर बातचीत हितधारकों की निरंतर भागीदारी और संपूर्ण सरकार दृष्टि पर निर्भर करती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि व्यापार नीति भारत के औद्योगिक विकास, नवाचार और सामाजिक-आर्थिक प्रगति जैसी व्यापक प्राथमिकताओं के अनुरूप है और समझौते इस तरह से बनाए जाएँ कि संवेदनशील क्षेत्र और आबादी सुरक्षित रहें।

खास तौर पर, एफटीए में ऐसे मज़बूत प्रावधान शामिल किये जाते हैं,जिनसे यह सुनिश्चित होता है कि भारतीय बाजार को खोलने से घरेलू हितधारकों को नुकसान नहीं होगा। संवेदनशील और रणनीतिक क्षेत्र में उदारीकरण लंबे समय में धीरे-धीरे किया जाता है, ताकि स्थानीय उद्योगों को तालमेल बिठाने का समय मिल सके। कृषि जैसेकई प्रमुख क्षेत्रों को एमएसएमई और किसानों की सुरक्षा के लिए बाहर रखा गया है, साथ ही अचानक आयात बढ़ने की स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा उपाय भी मौजूद हैं।

अंतिम लक्ष्य एक सुदृढ़ और तालमेल व नियम-आधारित व्यापार इकोसिस्टम है, जिसमें भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार का बड़ा हिस्सा शामिल हो। जमीनी स्तर पर निवेश करने और मूल्य-श्रंखला लिंक बनाने के जरिए, रणनीतिक एफटीए भारतीय व्यवसायों को उस चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने की स्वतंत्रता देंगे, जो वास्तव में मायने रखती है- नीतिगत अनिश्चितता और नियामक बाधाओं की परेशानी से मुक्त होकर विस्तार करना, नवाचार करना और विपणन करना।

(लेखकवाणिज्य मंत्रालय के सचिव हैं।)

स्वस्थ भारत, सशक्त भारत- स्वास्थ्य देखभाल विकास के 12 वर्ष

श्रीमती अनुप्रिया पटेल

बेहतर स्वास्थ्य प्रणाली से आर्थिक उत्पादकता बढ़ती है, कार्यबल की संख्या में बढ़ोतरी होती है और विकास दीर्घावधि तक होता है। इसलिए, अच्छी सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा संकेत है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति भी है। यह वह आधार है, जिस पर मानवीय क्षमता का निर्माण होता है और देश की ताकत मापी जाती है। इसलिए, बेहतर सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति हैऔर इसमें लगाया गया हर रुपया देश के लोगों में किया गया निवेश है।

इस तरह, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) ,यानी यह सुनिश्चित करना कि सभी लोग, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, बिना किसी आर्थिक परेशानी के, जब और जहाँ ज़रूरत हो, अच्छी गुणवत्ता की सभी ज़रूरी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल कर सकें। यह न केवल 2030 तक हासिल किया जाने वाला सतत् विकास का लक्ष्यहै, बल्कि सेहत से जुड़ी एक प्राथमिकता भी है।

भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 (एनएचपी 2017),सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) और एसडीजी 3 को हासिल करने के लक्ष्य के अनुरूप हैऔर यह एक सरल लेकिन मज़बूत सोच पर आधारित है -स्वास्थ्य सेवाओं तक हर व्यक्ति की पहुँच होनी चाहिए। इसके चार स्तंभ,किफायती होना, पहुँच, गुणवत्ता और उपलब्धता, उस सोच को वास्तिवकता में बदलते हैं और जीवन के सभी चरणों में देखभाल की एक व्यापक व्यवस्था को मज़बूत करते हैं। लक्ष्यों के अनुरूप, राष्ट्रीय स्वास्थ्यमिशन राज्यों को स्वास्थ्य प्रणाली का एक एकीकृत तीन-स्तरीय मॉडल प्रदान करने में मदद करता है, जिसमें ग्रामीण और शहरी इलाकों (कमज़ोर वर्गों सहित) के बीच दोतरफा रेफरल लिंक शामिल हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) प्राथमिक स्तर परबीमारी से बचाव, सेहत को बढ़ावा देने, इलाज, पुर्नवास और प्रशामक देखभाल जैसी व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं। ईसंजीवनी टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म इन एएएमके ज़रिए समुदाय को विशेषज्ञों से जोड़कर विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। साथ ही, एक खास टेली-मानस प्लेटफ़ॉर्म भी है, जिसने अब तक कुल 38.93 लाख लोगों तक पहुँच बनाई है।

एएएमसे जुड़े द्वितीय स्तर के केंद्र जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी)/प्रथम रेफरल इकाई (एफआरयू) और ज़िला अस्पताल (डीएच)होते हैं, जो विशेषज्ञ के समक्ष इलाज और अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा के लिए रेफरल का पहला ज़रिया होते हैं। वहीं, मेडिकल कॉलेज जैसे तृतीयक संस्थान सबसे ऊपर होते हैं और ज़्यादा जटिल व सुपर-स्पेशलिस्ट सेवाओं की ज़रूरतें पूरी करते हैं।

इस तीन-स्तरीयप्रणाली को सरकारी स्वास्थ्य बजट में बढ़ोतरी का समर्थन प्राप्त है। पिछले दशक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पर होने वाला खर्च 168त्न बढ़ गया है, जो स्वास्थ्य को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का सफ़र व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के विस्तार और प्रतिक्रियात्मक कार्यवाही से समस्या होने से पहले ही ध्यान रखने वाली देखभाल की ओर ज़रूरी बदलाव को दिखाता है। व्यापक स्वास्थ्य पैकेजों की संख्या 6 से बढ़ाकर 12 करना, भारत की बदलती आबादी और बीमारियों के बदलते पैटर्न के हिसाब से उठाया गया एक ज़रूरी कदम है। बढ़ती उम्र की आबादी और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बढ़ते मामलों की दोहरी चुनौतियों का सामना करते हुए, इसके दायरे में गैर-संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य, बुजुर्गों की देखभाल, आपातकालीन सेवाएँ, आँख, कान-नाक-गला (ईएनटी) और मुँह की सेहत के साथ-साथ योग और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ शामिल हैं। यह सब उस आबादी की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो भारत अब बन रहा है। मई 2026 तक, देश भर में 1.8 लाख से ज़्यादा एएएमकाम कर रहे हैं, ताकि लोगों को उनके घर के पास स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें। इस विस्तार का असर एएएममें 120 करोड़ से ज़्यादा ओपीडीपरामर्श, 70 करोड़ से ज़्यादा ईसंजीवनी टेली-परामर्श और अच्छी सेहत व कल्याण को बढ़ावा देने वाले 46.1 करोड़ से ज़्यादा वेलनेस सत्रोंमें साफ़ दिखता है। प्राथमिक देखभालस्तर पर, डायबिटीज, हाइपरटेंशन और आम कैंसर (जैसे ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर) के लिए आबादी-आधारित स्क्रीनिंग 30 साल से ज़्यादा उम्र के सभी वयस्कों के लिए की जाती है, जिससे बीमारी का जल्दी पता लगाना एक सामान्य प्रक्रिया बन जाती है। यह जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत सेवा वितरण का एक अहम हिस्सा है, जो एनसीडीकी रोकथाम को व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में शामिल करती है। एनसीडीसेवाओं का विस्तार बीमारी का जल्दी पता लगाने, रोकथाम, प्रबंधन और इलाज के लिए एक बहु स्तरीय प्रयास है। समर्पित एनसीडी क्लीनिक, डे-केयर कैंसर केंद्र , तृतीयक देखभाल कैंसर केंद्र और राज्य कैंसर संस्थान, उन्नत ऑन्कोलॉजीसेवाओं को विकेंद्रीकृत करते हैं और विशेषज्ञ देखभाल को मरीज़ के करीब लाते हैं।

साथ ही, बचाव से जुड़ी गतिविधियों के लिए होल-ऑफ-गवर्नमेंट दृष्टिकोण अपनाया जाता है। एफएसएसएआई स्वस्थखान-पान की आदतों को बढ़ावा देता है, फिट इंडिया मूवमेंट शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देता हैऔर आयुष मंत्रालय योग और कल्याण को आगे बढ़ाता है। लगातार चलने वाले जन-जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य दिवसमनाने जैसे कार्यक्रम इन प्रयासों को और मज़बूत करते हैं। खाने के तेल की खपत को 10त्न कम करने की प्रधानमंत्री मोदी की निजी अपील एक सरल लेकिन दमदार सोच को ज़ाहिर करती है कि एनसीडीके ख़िलाफ़ लड़ाई अस्पतालों के साथ-साथ घरों में भी जीती जाती है। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के विस्तार के लिए, एएएमस्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य ऑफिसर्स का एक नया कैडर शुरू किया गया, जिससे क्लिनिकल और जन स्वास्थ्य से जुड़ी विशेषज्ञता समुदायों के और करीब आ गई। यह विस्तार लोगों के घर-द्वार तक भी पहुँचा, जहाँ फ़ंटलाइन नेटवर्क बढ़कर 10 लाख से ज़्यादा आशा (आशा) कार्यकर्ताओं तक पहुँच गया, जिन्होंने समुदाय को स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ा। विस्तार के साथ-साथ, भारत ने देखभाल के मापदंडों को बदलने की ज़्यादा मुश्किल चुनौती भी स्वीकार की। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक,जो देश में ही विकसित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणीकृत हैं, ने गुणवत्ता को सिर्फ़ एक इच्छा से बदलकर एक जवाबदेही बना दिया। 65,000 से ज़्यादा जन स्वास्थ्य केंद्र, जिनमें 54,926 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शामिल हैं, अब एनक्यूएएस द्वारा प्रमाणीकृत हैं। इसके अलावा, आईपीएचएल के लिए लैब मानकों ने व्यवस्था में और मज़बूती और सटीकता लाई है।

एनक्यूएएसकी सफलता का राज़ सिर्फ़ मानदंड नहीं, बल्कि उसके आस-पास बनीव्यवस्था था, जैसे माँ और नवजात शिशु की देखभाल के लिए लक्ष्य, साफ़-सफ़ाई और संक्रमण नियंत्रण के लिए कायाकल्प और बचों की सेहत के लिए मुस्कान। इन सभी ने मिलकर गुणवत्ता को सिर्फ़ एक मानक के बजाय एक आधारभूत स्तर बना दिया है। नतीजा यह है कि अब ऐसी व्यवस्था तैयार हुई है, जिसमें न सिर्फ़ ज़्यादा लोगों का इलाज होता है, बल्कि बेहतर इलाज भी किया जाता है। अगर प्राथमिक देखभाल व्यवस्था का पहला वादा है, तो राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशनऔर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम जैसे खास कार्यक्रम देश भर में ओओपीई को कम करने के सरकार के संकल्प को और दिखाते हैं। इससे उन परिवारों की कुल मिलाकर 10,102 करोड़ रुपये से ज़्यादा की बचत हुई है, जिन्हें वरना यह बोझ अकेले उठाना पड़ता। लोगों की सेहत की ज़िम्मेदारी लोगों को ही सौंपते हुए, भारत ने अपने सामुदायिक मंचों को मज़बूत किया है। यह एक सोच-समझकर बनाया गया, विकेंद्रीकृत ढांचा है, जो योजनाकृत, निगरानी और जवाबदेही को स्थानीय लोगों के हाथों में सौंपता है। विलेज हेल्थ, सैनिटेशन एंड न्यूट्रिशन कमिटीज़(वीएचएसएनसी), जन आरोग्य समितियां (जेएएस) और रोगी कल्याण समितियां (आरकेएस) ने पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय भागीदार बनाया है। शहरी इलाकों में, महिला आरोग्य समितियां (एमएएस) पारदर्शिता, जवाबदेही और भरोसेमंद प्रतिक्रिया के लिए समुदाय की आवाज़ को अहमियत देते हुए, महिलाओं को सामुदायिक आउटरीच के केंद्र में रखकर इस फ़ोकस को और गहरा करती हैं।

(लेखक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक राय मंत्री हैं)

घरेलू महिलाओं को भी आर्थिक मदद की दरकार

डॉ. अंशुल उपाध्याय

में घरेलू महिलाओं को भी आर्थिक सबलता का अधिकार प्राप्त होना चाहिए। वह महिलाएं जो नौकरीपेशा नहीं हैं और घर पर रहकर ही अपने बच्चों और परिवार के पोषण के लिए अपना सारा समय लगा देती हैं। उनकी व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें उनके पति द्वारा कुछ धनराशि प्रति माह प्राप्त होनी ही चाहिए। इससे न केवल महिलाओं को सबलता मिलेगी बल्कि घरेलू हिंसा के मामलों में भी कमी आएगी। भारत में लगभग घरेलू दायरे में हिंसा को घरेलू हिंसा कहा जाता है। किसी महिला का शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, मौखिक, मनोवैज्ञानिक या यौन शोषण किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाना, जिसके साथ महिला के पारिवारिक सम्बन्ध हैं, घरेलू हिंसा में शामिल है। घरेलू हिंसा के विरुद्ध महिला संरक्षण अधिनियम की धारा-2005 में घरेलू हिंसा को परिभाषित किया गया है।

एक गैर सरकारी संस्था के मुताबिक, भारत में लगभग पांच करोड़ महिलाओं को अपने घर में ही हिंसा का सामना करना पड़ता है। इनमें से मात्र 0.1 प्रतिशत ही हिंसा के खिलाफ रिपोर्ट लिखाने आगे आती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की पुरानी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में विवाहित कामकाजी महिलाओं का प्रतिशत 31 प्रतिशत से 32 प्रतिशत के बीच है। 12 मई 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 92 फीसद महिलाएं बिना मेहनताना लिए घरेलू काम करती हैं। कुछ महिलाएं जो पढ़ी-लिखी हैं मगर नौकरीपेशा नहीं हैं उन्हें हर वक्त ये बात कचोटती तो अवश्य होगी की काश वो भी औरों की तरह अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए ही सही कुछ रुपये कमा सकतीं।

चूंकि शिक्षा का व्यक्ति के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। और मानसिक विकास हो जाने के बाद व्यक्ति अपना अच्छा-बुरा स्वयं समझ पाता है। ऐसे में किसी मानसिक रूप से विकसित महिला का घर पर रहना कई बार उसकी मजबूरी होती है। कई बार बच्चों के पालन हेतु तो कई बार ससुराल वालों की सहमति से। और मन में चल रहे द्वंद्व का सामना जब महिलाएं नहीं कर पातीं तो डिप्रेशन, हाई बीपी, मधुमेह जैसे रोगों का शिकार हो जाती हैं। इसलिए अगर महिलाओं को सबल बनाना है तो जरूरी नहीं परिवार के दायित्व के साथ उन्हें नौकरीपेशा होने को मजबूर किया जाए। इस समस्या का समाधान है-घरेलू महिलाओं को प्रति माह उनके पति द्वारा कुछ धनराशि का प्रदान किया जाना।

भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत से प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में जब हम भारत की महिलाओं को देखते हैं तब उनमें सशक्तिकरण केवल स्वयं रोजगार से जुड़ने पर नहीं आता अपितु उनके पास अगर कुछ मात्रा में धन रहे तो खुद ब खुद उस धन को किस तरह से अपने रोजमर्रा की आवश्यकताओं में खर्च करना है यह समझ महिलाओं में आ जाती है। देश में अधिकांश जगहों पर महिलाएं ग्रहणी है और अपना घर संभालती हैं। पर यह हमारी विडंबना है कि हमने अपने घर की महिलाओं को वित्त का अधिकार नहीं दिया ना ही वित्त संबंधी मामलों में हम घर की महिलाओं की सलाह लेते हैं। जबकि हमारी वित्तमंत्री जी स्वयं एक महिला हैं और वो भारत का बजट बनाती हैं।

दूसरी तरफ एक वह महिला है जो अपना घर चला रही है पर वह घर के बजट को सही तरीके से चला सकने में सक्षम नहीं है। हम बेटियों को पढ़ाते हैं। सब उन्हें सक्षम बनाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। फिर हम ये भूल जाते हैं की हमारी बेटी ही तो कल किसी और के घर की बहू बनेगी। अतः अपनी बेटी को हमेशा धन देते रहना और बहू को उससे वंचित रखना क्या ये सही है?

इसलिए देश में यह प्रावधान अवश्य ही होना चाहिए की विवाह के पश्चात यदि कोई महिला नौकरीपेशा नहीं है तो उसे उसके उसके पति से हर महीना कुछ धनराशि अवश्य प्रदान की जाए। इससे न केवल घरेलू महिलाएं अपनी जरूरत की चीजें खुद ले पाएंगी साथ ही घर की छोटी-छोटी चीजों के लिए उन्हें किसी और पर निर्भर नहीं होना होगा। यह उनके मानसिक स्वास्थ के साथ-साथ पारिवारिक शांति के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पीबीडीसीए की वार्षिक आम बैठक सम्पन्न

एजेंसी

पश्चिम बर्दवान। पश्चिम बर्दवान जिला शतरंज संघ (पीबीडीसीए) की वार्षिक आम सभा (एजीएम) दिनांक 14 जून 2026 को आसनसोल क्लब में गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता संघ के अध्यक्षता मुकेश तोदी ने की। बैठक में जिले में शतरंज के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं खिलाड़ियों को अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक मे मुख्य निर्णय भावना मेमोरियल शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन 26 जुलाई 2026 को भारती भवन, बर्नपुर में किया जाएगा। द्वितीय आसनसोल गोल्ड कप शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन 30 अगस्त 2026 को आसनसोल क्लब में किया जाएगा। बैठक में संघ के कार्यकारी अध्यक्ष तपन दासगुप्ता, उपाध्यक्ष मधु डूमरेवाल, जयसूर्य भट्टाचार्य एवं सौम्य नारायण गोराई, सचिव मलय मजूमदार, संयुक्त सचिव पंकज मंडल एवं अनिल नायर तथा कोषाध्यक्ष दामोदर कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मनप्रीत सिंह ने रचा इतिहास, दिलीप तिर्की के 412 अंतरराष्ट्रीय मैचों के रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने भारतीय हॉकी इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। नीदरलैंड्स के रॉटरडैम में खेले गए एफआईएच पुरुष प्रो लीग मुकाबले में मैदान पर उतरते ही उन्होंने भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की के 412 अंतरराष्ट्रीय मैचों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इस उपलब्धि के साथ मनप्रीत भारतीय हॉकी के इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। वह वर्तमान में सक्रिय खिलाड़ियों में 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कैप्स हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी भी हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने मनप्रीत को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी वर्षों की मेहनत, समर्पण और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मनप्रीत आगे भी भारतीय हॉकी के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे और कई नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

जीएनपीएस रेड ने जीता जूनियर प्रीमियर लीग अंडर-13 टूर्नामेंट, फाइनल मुकाबले में 49 रनों से दर्ज की शानदार जीत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर 36 स्थित गुरु नानक पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी के मैदान पर आयोजित जूनियर प्रीमियर लीग अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन हो गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में जीएनपीएस रेड ने शानदार और आक्रामक प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को 49 रनों से करारी शिकस्त देकर खिताबी ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान नन्हे खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना, गजब के अनुशासन और उत्कृष्ट क्रिकेट कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पीएमएस बांगा रहे मुख्य अतिथि टूर्नामेंट के समापन और पुरस्कार वितरण समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री पीएमएस बांगा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्कूल की प्रिंसिपल गुरनाम कौर ग्रेवाल, जीएनपीएस क्रिकेट एकेडमी के मुख्य कोच काकू तथा मुख्य आयोजक जगतेश्वर सिंह ने मुख्य अतिथि बांगा के साथ मिलकर संयुक्त रूप से विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को चमचमाती ट्रॉफियां एवं व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान अतिथियों ने युवा खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई करते हुए उन्हें खेलों में निरंतर कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

परमिट की दिक्कत के कारण फ्लाइट में देरी के बाद मियामी पहुंची उरुग्वे की टीम

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपना पहला मैच खेलने से पहले उरुग्वे की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को यात्रा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा। परमिट से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों के कारण टीम की कैनकन (मेक्सिको) से मियामी जाने वाली फ्लाइट में कई घंटों की देरी हुई। हालांकि, तमाम मुश्किलों के बाद टीम आखिरकार सोमवार को साउथ फ्लोरिडा पहुंच गई। उरुग्वे को ग्रुप एच के अपने पहले मुकाबले में मंगलवार को सऊदी अरब का सामना करना है। यह मैच हार्ड रॉक स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम ने रविवार सुबह कैनकन में अपना अभ्यास सत्र पूरा किया था और उसी दिन अमेरिका के लिए रवाना होना था, लेकिन यात्रा योजना गड़बड़ा गई। जानकारी के अनुसार, उरुग्वे की टीम दोपहर करीब 2 बजे फोर्ट लॉडरडेल के लिए उड़ान भरने वाली थी, जहां पहुंचकर खिलाड़ियों को होटल में ठहरना था। हालांकि, विमान के अमेरिका में प्रवेश से जुड़े जरूरी [में कम से कम रुकावट डालने में मदद की।' उरुग्वे की मीडिया के मुताबिक, जिस फ्लाइट में उरुग्वे की टीम कैनकन से चढ़ने वाली थी, उसे अमेरिका में एंट्री की इजाजत नहीं थी। टेलीमुंडो की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि फीफा, जो टीमों की चार्टर फ्लाइट्स की व्यवस्था करने वाली संस्था है, प्रशासनिक समस्याओं के कारण कैनकन एयरपोर्ट पर देरी की स्थिति पैदा हुई।

चंबल घड़ियाल्स ने जीता एमपीएल टी-20 महिला वर्ग का खिताब, कप्तान वस्त्राकर बोलीं- मेहनत रंग लाई

एजेंसी

इंदौर। चंबल घड़ियाल्स ने रोमांच से भरपूर फाइनल मुकाबले में ग्वालियर शेरनीज को 2 रन से हराकर मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी-20 सिंधिया कप 2026 के महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला गया यह मुकाबला आखिरी गेंद तक चला, जहां नो-बॉल और चौकों-छक्कों से भरपूर नाटकीय अंत ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कप्तान पूजा वस्त्राकर की अगुवाई में चंबल घड़ियाल्स महिला टीम ने पहली बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती। कप्तान वस्त्राकर ने ट्रॉफी जीतने पर खुशी जताते हुए कहा, 'मुझे बेहद खुशी है कि हमने यह ट्रॉफी जीती। एक टीम के रूप में यह हमारे लिए शानदार टूर्नामेंट रहा। हमने पूरी प्रतियोगिता में लगातार अच्छा क्रिकेट खेला, अपनी योजनाओं पर भरोसा बनाए रखा और फाइनल में हमारी मेहनत रंग लाई। चंबल घड़ियाल्स के मालिक दिव्यराज सिंह ने कहा कि फाइनल से पहले ही हमें अपनी टीम की गुणवत्ता और संतुलन पर पूरा भरोसा था। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार क्रिकेट खेला और दबाव के क्षणों में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैं पूरी टीम को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए चंबल घड़ियाल्स महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 146 रन बनाए। टीम को सलामी बल्लेबाज कनिष्का ठाकुर और जिंसी जॉर्ज ने अच्छी शुरुआत दिलाई। कनिष्का ने जहां 37 गेंदों में 50 रन की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली, वहीं जॉर्ज 19 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद राहिला फिरदौस 29 रन, कप्तान पूजा वस्त्राकर 10 रन और वैष्णवी सिंह ने 20 गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाए। 147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्वालियर शेरनीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और आशना पाटीदार 10 रन बनाकर जल्दी पवेलियन लौट गईं। इसके बाद कप्तान नुजहत परवीन और ईशाना स्वामी ने टीम को मुकाबले में बनाए रखा। ईशाना 22 गेंदों में 29 रन बनाकर खेल रही थीं, लेकिन उनके आउट होने के बाद मैच का रुख बदल गया। सौम्या तिवारी 4 रन और अनादि तगड़े भी 9 रन बनाकर रन आउट हो गईं। ग्वालियर को अंतिम ओवर में जीत के लिए 20 रन की जरूरत थी। आखिरी ओवर में कप्तान नुजहत ने पहली गेंद पर चौका जड़कर उम्मीदें जगाईं, लेकिन अगली दो डॉट गेंदों ने दबाव बढ़ा दिया। अंतिम गेंद पर मुकाबला और रोमांचक हो गया, जब परवीन ने छक्का लगाया, लेकिन गेंद नो-बॉल करार दी गई। इसके बाद फ्री-हिट पर जीत के लिए 7 रन चाहिए थे। परवीन आखिरी गेंद पर चौका ही लगा सकीं और ग्वालियर शेरनीज की टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 144 रन बनाकर 2 रन से मुकाबला हार गई।

कूपर कॉनली के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने जीता तीसरा वनडे, बांग्लादेश का 2-1 से सीरीज पर कब्जा

एजेंसी

ढाका। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने तीसरे एवं आखिरी वनडे मैच में बांग्लादेश की टीम को एक विकेट से हरा दिया। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 50 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 274 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 49.3 ओवर में 9 विकेट खोकर 277 रन बनाते हुए जीत दर्ज की।

ढाका के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो सलामी बल्लेबाज कूपर कॉनली रहे। उन्होंने मैच में 134 गेंदों में 13 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 149 रन की पारी खेली, जिससे उन्होंने टीम को सीरीज में क्लीन स्वीप होने से बचा लिया। तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले दो मुकाबलों में बांग्लादेश की टीम ने जीत दर्ज की थी। इससे मेजबान टीम ने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही थी। उसने पहले ओवर में ही सौम्य सरकार (2) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद 53 के स्कोर पर दूसरा झटका तंजीद हसन तमीम के रूप में लगा। वह 20 गेंदों पर 19 रन बनाकर आउट हुए। फिर नजमुल हुसैन शंटो भी 50 गेंदों पर 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे। बांग्लादेश के ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों के विकेट गिरने के बाद मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने पारी को संभाला। लिटन दास, तौहीद हृदोय और मोसादेक हुसैन ने अर्धशतक लगाते हुए टीम के स्कोर को पांच विकेट पर 274 रन तक पहुंचाया।

महिला हॉकी नेशंस कप 2026 : भारत की जीत के साथ शुरुआत, अमेरिका को 3-2 से हराया

एजेंसी

ऑकलैंड। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में दमदार वापसी करते हुए सोमवार को अमेरिका को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट का विजयी आगाज़ किया। ऑकलैंड के नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में खेले गए पूल-ए मुकाबले में भारत ने शुरुआती झटकों के बाद शानदार खेल दिखाया। मैच की शुरुआत भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रही। अमेरिका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए चौथे मिनट में एशले सेसा के फील्ड गोल से बढ़त बनाई। इसके बाद सातवें मिनट में मैडलिन जिमर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अमेरिका को 2-0 की बढ़त दिला दी। दो गोल से पीछे होने के बाद भारतीय टीम ने धीरे-धीरे मैच पर पकड़ बनानी शुरू की। दूसरे क्वार्टर में वापसी कर रही ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका ने 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अंतर कम किया। इसके बाद भारतीय टीम का दबाव लगातार बढ़ता गया। 24वें मिनट में भारत को एक

और पेनल्टी कॉर्नर मिला और दीपिका ने एक बार फिर शानदार कन्वर्जन करते हुए स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। बराबरी के बाद भारत ने अपनी लय बरकरार रखी और हाफ टाइम से पहले ही बढ़त हासिल कर ली। 28वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन दोनों ओर की रक्षापंक्ति मजबूत रही। पूरे मैच में दोनों टीमों को छह-छह पेनल्टी कॉर्नर मिले, हालांकि कोई भी टीम आगे गोल नहीं कर सकी। भारत ने अंतिम क्षणों तक बढ़त बनाए रखी और महत्वपूर्ण तीन अंक अपने नाम किए। दो गोल करने वाली दीपिका को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ भारतीय टीम पूल-ए में तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई। जापान भी तीन अंकों पर है, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर बना हुआ है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए 32 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली । एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 32 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय टीम में 22 पुरुष और 10 महिला एथलीट शामिल हैं। टीम में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता एवं स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शामिल हैं। इसके अलावा एथलीट अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह, गुलवीर सिंह, तेजस शिरसे सहित कई खिलाड़ी शामिल हैं।

भारतीय पुरुष एथलीट में गुरिंदरवीर सिंह (100 मीटर), अनिमेश कुजूर (200 मीटर), गुलवीर सिंह (5000 मीटर/10,000 मीटर), तेजस अशोक शिर्से (110 मीटर बाधा दौड़), यशस पी और संतोष कुमार तमिलारसन (400 मीटर बाधा दौड़), सर्वेश अनिल कुशारे और आदर्श राम जे (ऊंची कूद), देव मीणा और कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट), श्रीशंकर एम और लोकेश सत्यानाथन (लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल और सेल्वा प्रभु (ट्रिपल जंप), समरदीप सिंह गिल और

तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यश वीर सिंह (भाला फेंक), तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन/ ऊंची कूद), विशाल टीके और राजेश रमेश (400 मीटर और 4×400 मीटर रिले) शामिल हैं। महिला एथलीट में पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर), पूजा (ऊंची कूद), मनप्रीत कौर (शॉट पुट), सीमा और निधि रानी (डिस्कस थ्रो), रवीना और प्रियंका (10,000 मीटर रेस वॉक), अंसा बाबू, रशदीप कौर और नीरू पाठक (4×400 मीटर रिले स्पर्धा) को चुना गया है। एएफआई के अनुसार नीरज चोपड़ा और सेल्वा प्रभु का चयन कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 से पहले उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होगा।

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में श्रीलंका को 5 विकेट से हराया, सीरीज़ 2-1 से जीती

एजेंसी

जमैका। तेज गेंदबाज़ शमार जोसेफ की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी और शेरफेन रदरफोर्ड की संयमित अर्धशतकीय पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे और निर्णायक टी20 मुकाबले में सोमवार को श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ 2-1 से अपने नाम कर ली।

पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी रही। कमिल मिशारा और पथुम निसांका ने तेज रन बनाए और टीम ने शुरुआती ओवरों में मजबूत स्थिति बना ली। पांचवें ओवर तक स्कोर 48/1 पहुंच गया था और बड़ा स्कोर बनने की उम्मीद दिख रही थी। हालांकि इसके बाद मैच का रुख पूरी तरह बदल गया। तेज गेंदबाज़ शमार जोसेफ ने अपने पहले ही ओवर में दो बड़े विकेट लेकर श्रीलंका की लय तोड़ दी। मिशारा 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए और इसके बाद श्रीलंका लगातार विकेट गंवाता चला गया। मध्यक्रम में दासुन शनाका और दुनिथ वेलालागे ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन

शनाका के आउट होने के बाद दबाव और बढ़ गया। वेलालागे ने कुछ आक्रामक शॉट लगाकर टीम को संभालने का प्रयास किया, लेकिन अंतिम ओवर में फिर शमार जोसेफ ने तीन विकेट लेकर श्रीलंका को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 169 रन पर सिमट गई। जोसेफ ने 5 विकेट लेकर 33 रन दिए और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला पांच विकेट हॉल दर्ज किया। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत धीमी रही। शुरुआती तीन ओवरों में सिर्फ 10 रन बने और कप्तान शाई होप जल्दी आउट हो गए। इसके बाद शिमरॉन हेटमायर ने तेज बल्लेबाज़ी करते हुए टीम को संभाला।

मध्य ओवरों में श्रीलंका के स्पिनरों, खासकर वानिंदु हसरंगा, ने मैच में वापसी कराई और वेस्टइंडीज का स्कोर 10 ओवर में 64/4 हो गया। ऐसे समय में शेरफेन रदरफोर्ड ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने दबाव में बल्लेबाज़ी करते हुए नाबाद 54 रन (40 गेंद) बनाए और टीम को जीत के करीब पहुंचाया। अंत में जेसन होल्डर ने तेज़ी से रन बनाते हुए मैच खत्म कर दिया।

वेस्टइंडीज ने 19.4 ओवर में 170/5 बनाकर मुकाबला जीत लिया और सीरीज़ पर कब्ज़ा जमा लिया।

फीफा विश्व कप 2026: जर्मनी ने कुरासाओ को 7-1 से रौंदा, काई हैवर्ट्ज़ ने दागे दो गोल

एजेंसी

ह्यूस्टन। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में जर्मनी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए रविवार देर रात इस टूर्नामेंट में पहली बार खेल रही कुरासाओ की टीम को 7-1 से करारी शिकस्त दी। जूलियन नागेल्समैन की टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत शानदार अंदाज में की और अपने आक्रामक खेल से एकतरफा जीत दर्ज की।

जर्मनी की ओर से काई हैवर्ट्ज़ ने दो गोल किए, जबकि फेलिक्स नेमचा, निको श्लोटरबेक, जमाल मुसियाला, नाथानियल ब्राउन और डेनिज उंडाव ने एक-एक गोल कर टीम की जीत को और बड़ी बना दिया। मुकाबले की शुरुआत जर्मनी ने तेज अंदाज में की, लेकिन कुरासाओ ने भी कुछ समय तक मुकाबला रोचक बनाए रखा। मैच के 21वें मिनट में लिवानो कोमेनेन्सिया ने गोल कर स्कोर बराबर किया और इसके साथ ही विश्व कप इतिहास में कुरासाओ का पहला गोल भी दर्ज हो गया। हालांकि इसके बाद जर्मनी ने पूरी तरह मैच पर नियंत्रण कर लिया। तेज पासिंग, लगातार हमलों और शानदार फिनिशिंग के दम पर जर्मन टीम ने कुरासाओ की रक्षा पंक्ति को पूरी तरह तोड़ दिया।

पहले हाफ के बाद जर्मनी लगातार गोल करता गया और दूसरे हाफ में भी उसका दबदबा कायम रहा। काई हैवर्ट्ज़ के दो गोलों के अलावा बाकी खिलाड़ियों ने भी स्कोरशीट पर नाम दर्ज कराया। इस बड़ी जीत के साथ जर्मनी ने ग्रुप-ई में मजबूत शुरुआत करते हुए अपने इरादे साफ कर दिए हैं, जबकि कुरासाओ को अपने अगले मुकाबले में वापसी की चुनौती का सामना करना होगा।

फीफा विश्व कप 2026: यासिन अयारी के दो गोलों की बदौलत स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

एजेंसी

मोंटेरे। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एफ मुकाबले में स्वीडन ने सोमवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 5-1 से हराकर अपने अभियान की दमदार शुरुआत की। मोंटेरे स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में यासिन अयारी दो गोल दागकर जीत के नायक बने।

स्वीडन ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और सातवें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। यासिन अयारी ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया।

इसके बाद 30वें मिनट में स्टार स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक ने दूसरा गोल कर स्वीडन की बढ़त को दोगुना कर दिया। पहले हाफ के

अंतिम क्षणों में ट्यूनीशिया ने वापसी की उम्मीद जगाई। ओमर रेकीक ने शानदार हेडर लगाकर टीम के लिए गोल किया और स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि दूसरे हाफ में स्वीडन ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। 59वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस ने तीसरा गोल कर ट्यूनीशिया की वापसी की संभावनाओं को लगभग खत्म कर दिया।

इसके बाद मैच में उतरे स्थानापन्न खिलाड़ी मटियास स्वानबर्ग ने मैदान पर आने के मात्र 18 सेकंड के भीतर गोल दागकर स्वीडन की बढ़त 4-1 कर दी।

इंजरी टाइम में एक बार फिर यासिन अयारी ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर अपना दूसरा और टीम का पांचवां गोल किया। इस जीत के साथ स्वीडन ने ग्रुप-एफ में तीन अंक हासिल कर शानदार शुरुआत की, जबकि ट्यूनीशिया को अपने अगले मुकाबले में वापसी की चुनौती का सामना करना होगा।

फीफा विश्व कप 2026: डियालो के आखिरी मिनट के गोल से आइवरी कोस्ट ने इक्वाडोर को 1-0 से हराया

एजेंसी

फिलाडेल्फिया। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में आइवरी कोस्ट ने अंतिम क्षणों में शानदार वापसी करते हुए इक्वाडोर को 1-0 से हरा दिया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल अमाद डियालो ने 90वें मिनट में दागा। मुकाबले के दौरान स्टेडियम में इक्वाडोर समर्थकों का दबदबा साफ दिखाई दे रहा था। पीले और नीले रंग में रंगे दर्शकों ने पूरे मैच में अपनी टीम का जोरदार समर्थन किया, लेकिन अंत में जीत आइवरी कोस्ट के हिस्से में गई। इक्वाडोर ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और कई अच्छे मौके बनाए। 24वें मिनट में जॉन येबोआ का जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया, जबकि छह मिनट बाद एलन मिंडा भी गोल करने से चूक गए और उनका प्रयास भी लकड़ी से टकराया।

दूसरी ओर आइवरी कोस्ट ने भी कुछ अवसर बनाए। एली वाही का प्रयास पोस्ट से टकराया जबकि सेको फोफाना और फ्रैंक केसी ने मिडफील्ड में टीम को मजबूती दी। जब मुकाबला गोलरहित ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी 90वें मिनट में विलफ्रेड सिंगो ने शानदार मूव बनाते हुए गेंद अमाद डियालो तक पहुंचाई। डियालो ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन नियंत्रण दिखाते हुए सटीक शॉट लगाया और गेंद को नेट में पहुंचाकर आइवरी कोस्ट को जीत दिला दी।

हालांकि गोल डियालो ने किया, लेकिन मैच में आइवरी कोस्ट के युवा खिलाड़ी इयान डियोमांडे ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी गति और आक्रामक खेल से लगातार इक्वाडोर की रक्षा पंक्ति को परेशान किया। इस जीत के साथ आइवरी कोस्ट ने ग्रुप-ई में अपने अभियान की मजबूत शुरुआत की और अब उसके तीन अंक हो गए हैं। टीम अंक तालिका में जर्मनी के बराबर पहुंच गई है, जिसने अपने पहले मुकाबले में कुरासाओ को 7-1 से हराया था। वहीं इक्वाडोर को अब अगले मुकाबले में जीत हासिल करने का दबाव रहेगा, क्योंकि लगातार मौके बनाने के बावजूद टीम अंक हासिल नहीं कर सकी।

फीफा विश्व कपः पुलिसिक-बालोगुन का धमाका, अमेरिका ने पैराग्वे को 4-1 से रौंदा

एजेंसी

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे दिन फुटबॉल प्रशंसकों को रोमांच, रिकॉर्ड और यादगार प्रदर्शन देखने को मिला। एक ओर अमेरिका ने पैराग्वे को 4-1 से हराकर विश्व कप इतिहास की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की, वहीं कनाडा ने बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर विश्व कप इतिहास का पहला अंक हासिल किया।टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह तीन देशों की मेजबानी की थीम पर आधारित रहे। टोरंटो में नोरा फतेही ने वेगेड्रीम और संजय के साथ प्रस्तुति दी, जबकि लॉस एंजिलिस के सोफी स्टेडियम में कैटी पेरी ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का मनोरंजन किया। ग्रुप डी के मुकाबले में अमेरिका ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। सातवें मिनट में कप्तान क्रिश्चियन पुलिसिक के हमले के दौरान डेमियन बोबाडिला के आत्मघाती गोल से अमेरिका को बढ़त मिली। 31वें मिनट में फोलारिन बालोगुन ने पुलिसिक के शानदार पास पर गोल दागकर स्कोर 2-0 किया। इसके बाद उन्होंने पहले हाफ के इंजरी टाइम (45+4) में दूसरा गोल कर अमेरिका को 3-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में पैराग्वे के लिए मौरिसियो ने 72वें मिनट में एक गोल जरूर किया, लेकिन मैच के अंतिम क्षणों (90+7) में जियो रेयना ने शानदार गोल कर अमेरिका की 4-1 की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी।

महिला टी20 विश्व कप में भारत का विजयी आगाज, पाकिस्तान को 64 रन से हराया

एजेंसी

बर्मिंघम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज में करते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 64 रन से पराजित कर दिया।

एजबेस्टन मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारत ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में दमदार प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 170 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की सफलता की नींव अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रखी, जिन्होंने 44 गेंदों में 68 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी में नौ चौके और दो छक्के शामिल रहे।कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 36 रन का उपयोगी योगदान दिया, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने आखिर के ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मात्र 17 गेंदों में 34 रन

बनाकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने शुरुआत में सकारात्मक रुख अपनाया और पावरप्ले में तेज रन बनाए। हालांकि मध्य ओवरों में भारतीय स्पिनरों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

भारत की जीत की सबसे बड़ी नायिका दीप्ति शर्मा रहीं, जिन्होंने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 10 रन देकर पांच विकेट झटके। उनकी सटीक और नियंत्रित गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान का मध्यक्रम और निचला क्रम पूरी तरह बिखर गया। बाएं हाथ की स्पिनर एन. श्री चरणी ने भी शानदार सहयोग देते हुए तीन विकेट हासिल किए। पाकिस्तान की ओर से मुनीबा अली ने सर्वाधिक 41 रन बनाए, लेकिन उन्हें अन्य बल्लेबाजों का अपेक्षित साथ नहीं मिला। पाकिस्तानी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई और भारत ने 64 रन की प्रभावशाली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और अपने नेट रन रेट को भी मजबूत किया।

भारत की यह जीत विश्व कप जैसे बड़े मंच पर पाकिस्तान के खिलाफ उसके शानदार रिकॉर्ड को और मजबूत करती है। बल्लेबाजों के आत्मविश्वास और स्पिन आक्रमण की धार ने यह संकेत भी दिया कि भारतीय टीम इस बार खिताब की प्रबल दावेदारों में शामिल है।

टॉप 10 में शामिल 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.90 लाख करोड़ से अधिक की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल आठ कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई, जबकि दो कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में तक के कारोबार के बाद 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा आईसीआईसीआई बैंक को हुआ, जबकि मार्केट कैप में बढ़ोतरी के मामले में दूसरा स्थान एचडीएफसी बैंक ने हासिल किया। टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल कंपनियों में से शेष बची दो कंपनियों के मार्केट कैप में 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। मार्केट कैप में गिरावट आने के मामले में टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे आगे रही, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस सप्ताह के कारोबार के बाद आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में 1,90,001.96 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 14,118.72 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई।

ग्लोबल पेटेंट रैंकिंग में टॉप-20 में पहुंची जियो, ऐसा करने वाली अकेली भारतीय टेक कंपनी बनी

मुंबई: जियो प्लेटफॉर्म्स ने वैश्विक पेटेंट रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइजेशन यानी WIPO की ताजा पेटेंट कोऑपरेशन ट्रीटी यानी PCT रैंकिंग में जियो प्लेटफॉर्म्स ग्लोबल टॉप-20 में पहुंच गई है। कंपनी 2025 की सूची में 320 पायदान चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंची है।जियो प्लेटफॉर्म्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की टेक्नोलॉजी इकाई है। नई रैंकिंग के साथ जियो ग्लोबल टॉप-20 में जगह बनाने वाली अकेली भारतीय टेक इनोवेटर बन गई है। कंपनी अब हुआवेई, सैमसंग, क्वालकॉम, एलजी, पैनासोनिक, नोकिया, गूगल, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी वैश्विक टेक कंपनियों के समूह में शामिल हो गई है। जियो की पेटेंट फाइलिंग अगली पीढ़ी की डिजिटल तकनीकों पर केंद्रित है। इनमें 5G, 5G एडवांस्ड, 6G, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, AI-नेटिव नेटवर्क, क्लाउड-नेटिव प्लेटफॉर्म, इंटेलिजेंट ऑटोमेशन, रेडियो एक्सेस, कोर नेटवर्क सॉफ्टवेयर, एज इंटेलिजेंस, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस, नेटवर्क स्लाइसिंग और डिजिटल सर्विसेज इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस उपलब्धि पर जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश एम. अंबानी ने कहा, 'WIPO PCT रैंकिंग में जियो प्लेटफॉर्म्स का ग्लोबल टॉप-20 में आना हमारी डीप-टेक कंपनी बनने की दिशा में कई वर्षों की मेहनत को दिखाता है। यह जियो में हो रहे उन्नत तकनीकों पर हो रहे शानदार इनोवेशन का सबूत है, जो आने वाले वर्षों में और बढ़ेगा।'

चावल, गेहूं में साप्ताहिक गिरावट, चीनी, खाद्य तेल मजबूत, दालों में घट-बढ़

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल का औसत भाव घट गया। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। चीनी और खाद्य तेलों में तेजी देखी गयी जबकि दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 20 रुपये गिरकर सप्ताहांत पर 3,831 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 22 रुपये सस्ता हुआ और 2,771 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया। आटे का भाव 12 रुपये टूटकर 3,270 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 34 रुपये और चना दाल की नौ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। वहीं, मूंग दाल 36 रुपये और तुअर दाल 35 रुपये सस्ती हुई। मसूर दाल में सात रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। बीते सप्ताह खाद्य तेलों में तेजी रही। मूंगफली तेल 347 रुपये और सोया तेल 136 रुपये प्रति क्विंटल उछल गया। पाम ऑयल में 119 रुपये और सूरजमुखी तेल में 93 रुपये की तेजी देखी गयी। वनस्पति 59 रुपये और सरसों तेल 41 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी 17 रुपये महंगी हुई।

यूरिया के 25.4 लाख टन क्षमता वाले दो नये संयंत्र जल्द उत्पादन शुरू करेंगे : सरकार

नई दिल्ली। यूरिया के दो नये संयंत्र जल्द ही उत्पादन शुरू कर देंगे, जिनकी कुल सालाना क्षमता 25.4 लाख टन होगी। सरकार ने यह जानकारी दी। इनके शुरू हो जाने के बाद आयात पर देश की निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 100 लाख टन से अधिक यूरिया का आयात किया था। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी किया, जिसमें भारत को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों को वैश्विक समस्याओं से बचाने के मकसद से इस क्षेत्र में मोदी सरकार के पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। मंत्रालय ने कहा, ''पश्चिम एशिया में संघर्षों के कारण ईंधन की भारी कमी और निर्यात मार्गों में व्यवधान के बावजूद, सरकार ने उर्वरक की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक सक्रिय, युद्धस्तरीय प्रतिक्रिया दी है।''

दुनिया का इनोवेशन पार्टनर बनना भारत का लक्ष्य, उभरती हुई ग्लोबल टेक्नोलॉजी में साझेदारी पर जोर: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत उभरती हुई ग्लोबल टेक्नोलॉजी में साझेदारी को गहरा करने और स्वयं को दुनिया का इनोवेशन पार्टनर में बदलने के लिए काम कर रहा है। यह जानकारी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से दी गई। फ्रांस के नीस में भारत इनोवेट्स समिट के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए गोयल ने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' का मकसद भारत के इनोवेशन इकोसिस्टम के लिए एक ग्लोबल एक्सेलेरेटर के तौर पर काम करना है और भारत को दुनिया के लिए एक भरोसेमंद इनोवेशन पार्टनर के तौर पर स्थापित करना है। गोयल ने कहा, 'साल 2026 को भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर के तौर पर मनाया जा रहा है, जो इस पहल के लिए एक सही माहौल देता है। हम एक ऐसे अनिश्चित समय में मिल

रहे हैं जब भू-राजनीतिक स्तर पर बड़े हो रहे बदलाव, नई टेक्नोलॉजी में हो रहे बदलावों से मिल रहे हैं। 'भारत और फ्रांस के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी का जिक्र करते हुए, गोयल ने कहा कि इस साल दोनों देशों ने आपसी संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा है। उन्होंने कहा कि इनोवेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े वैश्विक चिंतन को आकार देने के लिए दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2025 में पेरिस में एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता की थी, जबकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों फरवरी 2026 में एआई इम्पैक्ट समिट के लिए भारत के साथ शामिल हुए थे। गोयल ने कहा, 'मैं अपने फ्रांसीसी सहयोगियों से अपील करता हूं कि वे इस मौके का इस्तेमाल सार्थक साझेदारी बनाने के लिए करें। साथ ही, मैं अपने फ्रांसीसी दोस्तों को भारत आने, यहां निवेश करने, डिजाइन करने, इनोवेशन करने और मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए आमंत्रित करता हूं, ताकि वे भारत के बड़े घरेलू बाजार और यहां से बाकी दुनिया में निर्यात, दोनों के लिए काम कर सकें। ''भारत इनोवेट्स'' समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने संयुक्त रूप से किया। इस कार्यक्रम में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के स्टार्टअप, निवेशक, उद्यमी, टेक्नोलॉजी लीडर और नीति-निर्माता एक साथ आते हैं ताकि इनोवेशन, निवेश और आपसी सहयोग के नए अवसर तलाशे जा सकें।

अगले सप्ताह होगी चार कंपनियों के आईपीओ की लॉन्चिंग, तीन कंपनियों के शेयर होंगे लिस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार यानी 15 जून से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में सामान्य हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह चार कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। ये चारो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ में भी 15 और 16 जून तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह तीन कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। ये सभी कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 17 जून को क्ले क्राफ्ट का 110.11 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 19 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 193 रुपये प्रति शेयर से लेकर 203 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 जून को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन दीक्षा पॉलिमर्स का 17.90 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 19 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 112 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। लायोटेक इंडस्ट्रीज का 36.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 19 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 321 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है।

दमदार परफार्मेंस और स्पोर्टी लुक के साथ देश में लान्च होने के लिए तैयार 5 कारें

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली कार बनाने वाली कंपनियां माइलेज और फीचर्स के साथ परफार्मेंस पर भी ध्यान दे रही हैं। ग्राहकों को भी ऐसी ही कारें भा रही हैं। यही वजह है कि वाहन निर्माता कंपनियां स्पोर्टी डिजाइन, दमदार इंजन और बेहतर ड्राइविंग अनुभव वाले नए मॉडल्स पर लगातार फोकस कर रही हैं। आइए जानते हैं उन पांच मॉडलों के बारे में जो जल्द ही भारतीय सड़कों पर नजर आ सकते हैं। स्कोडा अपनी लोकप्रिय सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी काइलाक का नया स्पोर्टलाइन वेरिएंट लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। सितंबर 2026 में आने वाली इस एसयूवी को पूरी तरह ब्लैक-आउट थीम के साथ पेश किया जाएगा। एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में स्पोर्टी एलिमेंट्स देखने को मिलेंगे, जिससे इसका लुक स्टैंडर्ड मॉडल की तुलना में ज्यादा एग्रेसिव नजर आएगा। हालांकि इंजन में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और इसमें मौजूदा 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन ही मिलेगा। इसकी संभावित एक्स-शोरूम कीमत करीब ?13.65 लाख हो सकती है। निसान अपनी मौजूदगी मजबूत करने के लिए 9 जुलाई 2026 को नई निसान टेक्टॉन लॉन्च करने जा रही है। यह एसयूवी रेनो डस्टर के नए प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, लेकिन इसका डिजाइन निसान की वैश्विक एसयूवी लाइनअप से प्रेरित और अलग पहचान वाला हो सकता है। इसके टॉप वेरिएंट में 1.3-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 160 bhp की पावर पैदा करेगा। ट्रांसमिशन के लिए 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड वेट-क्लच DCT ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का विकल्प उपलब्ध होगा।भारतीय बाजार में 22 जून को लॉन्च कर सकती है। इसमें आपको 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 263 bhp की पावर और 400 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। 7-स्पीड DSG ऑटोमैटिक गियरबॉक्स और ऑल-व्हील ड्राइव (AWD) सिस्टम के साथ यह SUV केवल 6.3 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसमें 20-इंच के बड़े अलॉय व्हील्स और स्पोर्टी ऑल-ब्लैक केबिन जैसी विशेषताएं भी दी गई हैं। परफॉर्मेंस सेडान पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए स्कोडा ऑक्टेविया RS एक बार फिर भारतीय बाजार में वापसी करने जा रही है। पिछले साल सीमित संख्या में उपलब्ध कराई गई इस कार को ग्राहकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला था। अब कंपनी फेस्टिव सीजन के दौरान इसका दूसरा बैच लाने की तैयारी कर रही है। इसमें 2.0-लीटर TSI टर्बो-पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 263 bhp की पावर और 370 Nm का टॉर्क पैदा करता है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

एजेंसी

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भारत फ्रांस वार्ता : इनोवेशन रोडमैप और द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने से जुड़े तंत्र पर बनी सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और फ्रांस के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में नवाचार, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहयोग को नई दिशा देने के लिए भारत-फ्रांस इनोवेशन रोडमैप 2030 अपनाया गया। दोनों देश अगले पांच वर्षों में मौजूदा आर्थिक और वित्तीय संवाद पर आधारित द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक उच्च-स्तरीय तंत्र स्थापित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीस में विला केरीलोस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। इस साल की शुरुआत में भारत-फ्रांस संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली बैठक थी। बातचीत के बाद राष्ट्रपति मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में लंच का आयोजन किया। दोनों देशों के बीच एआई गवर्नेंस पर संयुक्त कार्य समूह बनाने, कानपुर में एरोनॉटिक्स एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने, फ्रांस में यूपीआई के उपयोग का विस्तार करने, 10 अतिरिक्त भारतीय स्टार्टअप्स को स्टेशन एफ में स्थान देने, डिजिटल साइंस केंद्र स्थापित करने तथा पेरिस-सैक्ले विश्वविद्यालय में 'एआई, इनोवेशन एंड कल्चर' पर आईसीसीआर इंडिया चेयर स्थापित करने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा संवाद शुरू करने, रेलवे और हाई-स्पीड रेलवे विकास में सहयोग बढ़ाने, गोपनीय सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं सुरक्षा संबंधी समझौते को आगे बढ़ाने तथा इसरो और सीएनईएस के बीच सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान और मानव अंतरिक्ष अन्वेषण में सहयोग मजबूत करने का निर्णय लिया। स्वास्थ्य डेटा, निवेश, आपूर्ति शृंखलाओं और रणनीतिक साझेदारी के क्षेत्रों में भी नए सहयोग की घोषणा की गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस यात्रा पर विदेश मंत्रालय की एक विशेष ब्रीफिंग के दौरान विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि इस यात्रा से कई नतीजे और परिणाम सामने आए हैं। इनमें पांच साल के अंदर दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने के लिए एक हाई-लेवल सिस्टम बनाना, आर्थिक सुरक्षा पर बातचीत शुरू करना और 'इनोवेशन रोडमैप 2030' को अपनाना शामिल है। दोनों पक्षों ने इनोवेशन इकोसिस्टम से जुड़ी संस्थाओं के बीच 19 समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। 'मिस्त्री के अनुसार प्रधानमंत्री के सम्मान में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की ओर से आयोजित लंच के दौरान, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के हालात और यूक्रेन में चल रहे संघर्ष समेत कई अहम वैश्विक मुद्दों पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के शानदार विकास और गहराई पर संतोष व्यक्त किया और रक्षा प्लेटफॉर्म और उन्नत तकनीकों के सह-डिजाइन, सह-विकास और सह-उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करते हुए इसे और तेज करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग की समृद्ध विरासत को रेखांकित किया और मानव अंतरिक्ष उड़ान तथा अंतरिक्ष स्थितिजन्य जागरूकता में सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र के सहयोग का विस्तार करने के तरीकों पर भी चर्चा की। असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में, उन्होंने कहा कि भारत का शांति (शांति) अधिनियम सहयोग के नए अवसर पैदा करता है, जिसमें छोटे और उन्नत मॉड्यूलर रिएक्टर भी शामिल हैं।

भ्रामक नाम और दावों पर 8 कंपनियों को एफएसएसएआई ने थमाया नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले दावों और भ्रामक ब्रांड ट्रेड नामों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 8 फूड कंपनियों को नोटिस जारी किया है। इन आठ कंपनियों में इमामी हेल्दी एंड टेस्टी, हेल्थ एड, ट्रूवी, द हेल्दी फैक्टरी, हेल्दी मास्टर, हेल्दी चॉइस, प्लान बी और न्यूहर्ब्स हैं।नियामक का कहना है कि कुछ कंपनियां अपने उत्पादों के स्वास्थ्य लाभ और गुणवत्ता को लेकर ऐसे दावे कर रही थीं, जो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 का उल्लंघन है। एफएसएसएआई के मुताबिक इमामी हेल्दी एंड टेस्टी का 'ट्रेड' नाम उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है और ये लागू नियमों का उल्लंघन प्रतीत होता है। प्लान बी अपने उत्पादों को 'प्लांट बेस्ड वीगन' के रूप में प्रचारित करती है। एफएसएसएआई के मुताबिक कंपनी ने वीगन खाद्य उत्पादों के समर्थन संबंधी आवश्यक स्वीकृति लिए बिना अपने उत्पादों को वीगन के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे उपभोक्ताओं में गलत धारणा बन सकती है। इसी तरह द हेल्दी फैक्टरी के 'जीरो मैदा होल व्हीट ब्रेड' और 'जीरो मैदा पिज्जा बेस' उत्पादों को भी जांच के दायरे में लाया गया है। प्राधिकरण का कहना है कि इन उत्पादों पर किए गए दावे उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकते हैं और नियमों के अनुरूप नहीं दिखते। इसके अलावा न्यूहर्ब्स की 'ट्रू विटामिन' उत्पाद श्रृंखला को भी नोटिस मिला है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण एफएसएसएआई के मुताबिक 'ट्रू विटामिन' जैसा कि व्यापारिक नाम उसके नियमों में परिभाषित या मान्यता प्राप्त नहीं है, इसलिए यह नाम उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है।

अमेरिका-ईरान समझौते से कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट, ब्रेंट क्रूड करीब 5 प्रतिशत टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की घोषणा के बाद सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में करीब 5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधा आने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो गई हैं। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड शुरुआती कारोबार में 4.90 प्रतिशत तक गिरकर 83.05 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 5.74 प्रतिशत टूटकर करीब 80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की दिशा में हुई प्रगति से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है, जिसके चलते सप्ताह की शुरुआत में एशियाई शेयर बाजारों में जोरदार तेजी देखने को मिली। वहीं अमेरिकी फ्यूचर्स भी मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आए। विशेषज्ञों ने कहा, 'इस बीच ब्रेंट क्रूड ऑयल 4 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 83 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं कम हुई हैं और बाजार की धारणा को अतिरिक्त समर्थन मिला है।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि ईरान के साथ समझौता पूरा हो चुका है। उन्होंने लिखा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ समझौता अब पूरा हो चुका है। 'इसके साथ ही उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की भी घोषणा की। यह एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जिसके जरिए दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से के कच्चे तेल की आपूर्ति होती है।ट्रंप ने लिखा, 'मैं होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शुल्क के पूरी तरह खोलने और साथ ही अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को तुरंत हटाने की अनुमति देता हूं। दुनिया के जहाज अपने इंजन चालू करें। तेल को बहने दें!' रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका और ईरान शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इस सकारात्मक घटनाक्रम का असर वैश्विक शेयर बाजारों पर भी दिखा। जापान के निक्केई, हांगकांग के हैंग सेंग, दक्षिण कोरिया के कोस्पी और इंडोनेशिया के जकार्ता कंपोजिट जैसे प्रमुख एशियाई सूचकांक तेजी के साथ कारोबार करते नजर आए। इनमें से कुछ बाजारों में 5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। घरेलू बाजार में भी इसका सकारात्मक असर देखने को मिला। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों शुरुआती कारोबार में 1 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ खुले।

सीतारमण ने कहा- रुपये में उतार-चढ़ाव के पीछे वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार

नई दिल्ली/बेंगलुरु। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में होने वाले उतार-चढ़ाव कई बार वैश्विक एवं घरेलू कारकों से प्रेरित होते हैं। इनमें भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं, विदेशी पूंजी की आवाजाही और कच्चे तेल, उर्वरक तथा सोने पर भारत की आयात निर्भरता शामिल है। सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) रकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर बेंगलुरु के पास देवनहल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए यह बात कही। संवाददाताओं से बात करते हुए सीतारमण ने कहा कि एक्सचेंज रेट कई बाहरी घटनाओं और बाजार की स्थितियों से प्रभावित होते हैं।वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में उतार-चढ़ाव के पीछे कई जटिल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कारण जिम्मेदार हैं। निर्मला सीतारमण ने कहा

कि देश की अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है, रुपये में यह गिरावट मुख्य रूप से बाहरी दबावों का परिणाम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) सिर्फ बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए दखल देता है, न कि एक्सचेंज रेट को एक स्तर पर बनाए रखने के लिए। वित्त मंत्री ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति से जुड़े फैसले, वैश्विक मुद्राओं में उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेश की निकासी जैसे कारक रुपये की विनिमय दर को प्रभावित करते हैं।सीतारमण ने आगे कहा कि अमेरिका में आर्थिक घटनाक्रमों के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों (एफडीआई) द्वारा मुनाफावसूली कर धन निकालने तथा अन्य बाजारों में अंतरित करने का भी विदेशी मुद्रा भंडार और मुद्रा विनिमय दरों पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल, उर्वरक और सोने के आयात के लिए भारत को बड़ी मात्रा में डॉलर का भुगतान करना पड़ता है।

एफपीआई ने जून में बेची 62,853 करोड़ रुपये की इक्विटी

एजेंसी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलिया निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक भारतीय पूंजी बाजार से 43,955 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है जिसमें अकेले इक्विटी में उनका निवेश 62.8 हजार करोड़ रुपये कम हुआ है। केंद्रीय डिपॉजटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जून के पहले दो सप्ताह में इक्विटी में 62,853 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है।

शुद्ध बिकवाली बाजार में लगाये गये पैसे और निकाले गये पैसे का अंतर है। इक्विटी के अलावा म्यूचुअल फंड में भी एफपीआई निवेश 35 करोड़ रुपये कम हुआ है। हाइब्रिड उपकरणों से एफपीआई ने 27 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की।

डेट में इस महीने अबतक एफपीआई ने पैसा लगाया है। इसमें उन्होंने शुद्ध रूप से 18,960 करोड़ रुपये की लिवाली की है। यह लगातार चौथा महीना है जब भारतीय पूंजी बाजार में एफपीआई बिकवाल हैं। इससे पहले मई में उन्होंने 29.919 करोड़ रुपये, अप्रैल में 70,786 करोड़ रुपये और मार्च में 1,26,991 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इस साल जनवरी से अबतक एफपीआई बाजार में 2,62,875 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली कर चुके हैं। इसमें इक्विटी और म्यूचुअल फंड से उन्होंने शुद्ध निकासी की है जबकि डेट में उन्होंने पैसा लगाया है। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में अकेले इक्विटी से एफपीआई 2,87,785 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं।

विकसित भारत की ओर बढ़ते भारत-फ्रांस संबंध, सह-नवाचार के नए अवसर खोल रही साझेदारी: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, फ्रांस के साथ उसकी साझेदारी सह-नवाचार (को-इनोवेशन) और तकनीकी प्रगति के नए अवसरों के द्वार खोल रही है। साथ ही यह ऐसी तकनीकों और समाधानों को बढ़ावा दे रही है, जो केवल दोनों देशों ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए लाभदायक साबित होंगी। उन्होंने फ्रांस के नीस शहर में एक 'प्रोडक्टिव दिन' का समापन करते हुए नीस के मेयर एरिक सियोटी की मौजूदगी में सरकार, उद्योग, नवाचार और निवेश जगत के प्रमुख नेताओं के साथ एक रात्रिभोज का आयोजन किया। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष की पृष्ठभूमि में यह शाम विचारों के आदान-प्रदान और व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा उभरते क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर तलाशने का एक बेहतरीन मंच साबित हुई।' इस बीच सरकार ने कहा कि भारत का 'विकसित भारत 2047' का विजन और फ्रांस का 'फ्रांस 2030' मिशन भविष्य-केंद्रित नवाचार साझेदारी को मजबूत आधार प्रदान

करते हैं। इससे नई और विघटनकारी तकनीकों में निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे। इसी उद्देश्य से भारत और फ्रांस ने इंडिया-फ्रांस इनोवेशन रोडमैप 2030 को अपनाने का फैसला किया है। यह रोडमैप दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण और उभरती तकनीकों के सह-विकास, भरोसेमंद तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, शिक्षा एवं अनुसंधान क्षेत्र में गतिशीलता बढ़ाने तथा लोगों, पर्यावरण और साझा समृद्धि के लिए ठोस परिणाम हासिल करने का मार्गदर्शन करेगा।भारत और फ्रांस नवाचार को आर्थिक मजबूती, सतत विकास, रणनीतिक स्वायत्तता और तकनीकी एवं औद्योगिक संप्रभुता का प्रमुख आधार मानते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों देशों का मानना है कि मजबूत नवाचार साझेदारी से उनकी पूरी नवाचार क्षमता का उपयोग हो सकेगा और वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने में भी मदद मिलेगी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्लोवाकिया के लिए रवाना हो गए और फ्रांस यात्रा के पहले चरण का समापन हुआ। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'नीस, फ्रांस की सफल यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रातिस्लावा के लिए रवाना हो गए हैं। इस यात्रा के दौरान नवाचार और भविष्य की तकनीकों पर विशेष ध्यान देते हुए कई द्विपक्षीय समझौते हुए।' प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ वार्ता की थी, जिसमें दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आज मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ हुई बातचीत बेहद सफल रही। हमारे देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रतापूर्ण संबंधों को देखते हुए हमने अपने रिश्तों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी बातचीत में रक्षा, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग, नवाचार और कई अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई।'

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, ऐतिहासिक कीव पेचेर्स्क लावरा मठ में लगी भीषण आग, चार की मौत, 20 झुलसे

एजेंसी

कीव (यूक्रेन)। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में रात को बड़ा हमला किया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, राजधानी में हुए बड़े और घातक रूसी हमले के बाद कीव के बीचों-बीच स्थित यूक्रेन का प्रमुख मठ परिसर आग की चपेट में आ गया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 लोग झुलस गए। हमले के बाद सामने आई तस्वीरों और वीडियो में यूनेस्को की सूची में शामिल कीव पेचेर्स्क लावरा मठ से आग की लपटें उठती दिखाई दीं। इस मठ का इतिहास लगभग 1,000 साल पुराना है। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन की इमरजेंसी सर्विस ने जो तस्वीरें जारी की हैं, उनमें दमकलकर्मी परिसर के डॉर्मिशन कैथेड्रल के टावरों और गुंबदों के नीचे लगी आग पर काबू पाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। यूक्रेन की संस्कृति मंत्री टेट्याना बेरेजना ने बयान में कहा, रूसियों ने डॉर्मिशन कैथेड्रल को नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन के मेट्रोपॉलिटन एपिफेनियस ने बयान में इस पवित्र स्थल को नष्ट होने से बचाने के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया। कीव सैन्य प्रशासन प्रमुख टिमुर त्काचेंको के अनुसार, इस हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग झुलस गए हैं।

अमेरिका के मिसौरी में विमान हादसा, 12 लोगों की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के मिसौरी राज्य में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी 12 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार हादसा बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट के निकट हुआ। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि विमान दुर्घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल मौके पर पहुंच गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर विमान में सवार सभी 12 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। अधिकारियों के मुताबिक दुर्घटना बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट के आसपास हुई। हादसे के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है और जांच एजेंसियां दुर्घटना के पीछे की परिस्थितियों की पड़ताल कर रही हैं। बटलर शहर कैनसस सिटी से लगभग 60 मील दक्षिण में स्थित है। दुर्घटनास्थल को सुरक्षा घेरे में लेकर राहत एवं जांच कार्य शुरू कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है और जांच पूरी होने के बाद हादसे के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। अमेरिकी विमानन सुरक्षा एजेंसियों के विशेषज्ञ भी दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल का निरीक्षण करेंगे।

ट्रंप ने बेरूत पर इजराइली हमले पर जताई नाराजगी, कहा- यह नहीं होना चाहिए था

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हुए इजराइली हमले पर असहमति जताते हुए कहा है कि यह कार्रवाई ऐसे समय नहीं होनी चाहिए थी, जब क्षेत्र में संभावित शांति समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर जारी एक संदेश में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है और क्षेत्र में स्थायी शांति की संभावना पहले से अधिक मजबूत दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इस परिस्थिति में किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई शांति प्रयासों को प्रभावित कर सकती है। ट्रंप ने माना कि इजराइल को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार है, लेकिन उनके अनुसार जिस घटना के जवाब में यह हमला किया गया, वह अपेक्षाकृत सीमित थी और उसमें किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को व्यापक शांति प्रक्रिया में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील करते हुए कहा कि लेबनान में आगे किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई से बचा जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने हिज्बुल्लाह सहित अन्य समूहों से भी इजराइल के खिलाफ हमले न करने का आग्रह किया।

चीन में रहे नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा, बड़े भ्रष्टाचार मामलों की सभी फाइल खोले जाएंगे

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा है कि पुराने और बड़े भ्रष्टाचार मामलों की सभी पुरानी फाइल को खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मामलों की जांच प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और सरकार ने भ्रष्टाचार उन्मूलन को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा है। चीन की आधिकारिक यात्रा के दौरान बीजिंग पहुंचे मंत्री खनाल ने नेपाली दूतावास द्वारा आयोजित नेपाली प्रवासी समुदाय के साथ संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सरकार में शामिल होने के बाद सरकार के चुनावी वादों के अनुरूप काम किया जा रहा है। मंत्री खनाल ने कहा, 'हमने वादा किया था कि पुराने और बड़े भ्रष्टाचार मामलों की जांच होनी चाहिए। सरकार बनने के बाद एक कार्यदल गठित किया गया है, जिसने 2063 (वि.सं.) के बाद हुए भ्रष्टाचार और धन शोधन से जुड़े मामलों की जांच प्रक्रिया आगे बढ़ाई है।' तक शासन चलाने वालों ने देश को अपेक्षित सुशासन नहीं दिया, इसलिए उनकी पार्टी सरकार में शामिल हुई। सार्वजनिक सेवाओं को सरल और झंझटमुक्त बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विदेश मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि विदेश में रहने वाले नेपाली नागरिकों की शिकायतें सुनने ।

स्लोवाकिया में पीएम मोदी से मुलाकात पर भारतीय प्रवासी और स्लोवाक कलाकार बोले- 'उनसे मिलकर सम्मानित महसूस किया'

एजेंसी

ब्रातिस्लावा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय के लोगों और स्लोवाक कलाकारों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद लोगों ने कहा कि उनसे मिलकर उन्हें गर्व महसूस हुआ। प्रधानमंत्री मोदी का भारतीय समुदाय ने ग्रैंड होटल रिवर पार्क में भव्य स्वागत किया। स्लोवाकिया की पारंपरिक रोटी और नमक भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान 'मोदी-मोदी' और 'भारत माता की जय' के नारे भी गूंजे। पीएम मोदी की यात्रा पर स्लोवाक संगीत एवं आध्यात्मिक समूह 'महादेवा कीर्तन प्रोजेक्ट' के संस्थापक तथा ड्रमर मारेक जिलिनेक ने कहा, 'हमारे बैंड को महादेवा कीर्तन प्रोजेक्ट कहा जाता है। मैं गायक नहीं, बल्कि ड्रमर हूं। यह हमारे लिए बड़े सम्मान की बात है। हम स्लोवाकिया स्थित भारतीय दूतावास के आभारी हैं, जिसने हमें प्रधानमंत्री के स्वागत

में प्रस्तुति देने का अवसर दिया।' भारतीय समुदाय के सदस्य राजेंद्र प्रसाद ने कहा, 'ब्रातिस्लावा में पीएम मोदी से मिलकर बहुत खुशी हुई। मेरी आंखें नम थीं और दिल गर्व से भरा हुआ था। मुझे उन्हें व्यक्तिगत रूप से देखने और उनसे मिलने का अवसर मिला। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं।' एक अन्य सदस्य नितिन पटेल ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि भारत के प्रधानमंत्री से इतने करीब से मिलने और हाथ मिलाने का अवसर मिलेगा। मुझे उनका कार्य करने का तरीका बहुत पसंद आया। मैं उनके स्वभाव और समर्पण से बेहद प्रभावित हूं।'

भारतीय समुदाय के सदस्य चिराग ने कहा, 'यह जानकर अच्छा लगा कि भारत के प्रधानमंत्री पहली बार यहां आए हैं। उनसे मिलकर खुशी हुई। हमें उम्मीद है कि यहां रहने वाले भारतीयों की समस्याओं के समाधान की दिशा में भी सकारात्मक कदम उठेंगे।' समुदाय के एक अन्य सदस्य सागर ने कहा, 'हम बहुत खुश हैं कि पहली बार हमारे देश के प्रधानमंत्री स्लोवाकिया आए। उन्होंने हमसे हाथ मिलाया, यह हमारे लिए यादगार पल है।' स्लोवाक समूह लुक्रिका एन्सेम्बल ने प्रधानमंत्री मोदी के ब्रातिस्लावा के ग्रैंड होटल रिवर पार्क में आने पर भारत का राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम प्रस्तुत किया। समूह की एक कलाकार ने कहा, 'मेरा नाम डेमिनिका है और आज हम अपनी गायक-मंडली के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए 'वंदे मातरम' प्रस्तुत कर रहे थे।'

पाकिस्तान वायुसेना का प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलट मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मर्दान के पास सोमवार को पाकिस्तान वायुसेना का एक प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में दोनों पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद कासिम अब्दुल्ला और लेफ्टिनेंट तल्हा अब्बासी की मौत हो गई। दुनिया न्यूज ने इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार हादसे की वजह का पता लगाने के लिए वायु सेना मुख्यालय ने जांच बोर्ड का गठन किया है। देश के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने हादसे पर दुख जताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने विमान हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

अमेरिका-ईरान समझौते का इजरायल ने किया विरोध, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बोले- 'ट्रंप के किसी डील से हम नहीं बंधे'

एजेंसी

तेल अवीव । अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का इजरायल ने कड़ा विरोध किया है। दरअसल, अमेरिका और ईरान के समझौते में लेबनान पर हमले रोकना भी शामिल है। ऐसे में इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेनग्विर ने कहा कि इजरायल किसी के डील से बंधा हुआ नहीं है। इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ट्रंप का एग्रीमेंट हमें बांधता नहीं है। इजरायल अमेरिका के अंदर नहीं है और हम एक स्वतंत्र और संप्रभु देश हैं। हमारा कर्तव्य इजरायल के नागरिकों, आईडीएफ के सैनिकों और यहूदी लोगों के प्रति है और हजारों साल के देश निकाला के दौरान सताए गए और मारे गए यहूदियों के प्रति हमारा ऐतिहासिक कर्तव्य है कि हम इजरायल की जमीन पर यहूदियों को सुरक्षा दें।' उन्होंने कहा कि हर बार जब हम इजरायल की सुरक्षा की कीमत पर अंतरराष्ट्रीय दबाव में झुके, तो हमने खून की कीमत ब्याज के साथ चुकाई। यह ओस्लो समझौते में सच था, यह 2006 में लेबनान समझौते में सच था और यह गाजा में हर उस समय सच था जब हमारी मुश्किलें बढ़ीं। हम अमेरिका से प्यार करते हैं और राष्ट्रपति ट्रंप के शुक्रगुजार हैं। फिर भी, इजरायल कोई 'बनाना रिपब्लिक' नहीं है। बता दें, बनाना रिपब्लिक का मतलब ऐसे देश से होता है जिसकी नीतियां या फैसले बाहरी शक्तियों के प्रभाव में हों और जो पूरी तरह स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम न हो। इजरायली मंत्री ने कहा, 'मैं ये बातें प्रधानमंत्री से हर समय कहता हूं और हर महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मोड़ पर बंद कमरों में इन्हें दोहराता हूं: ऐतिहासिक क्षणों में, ऐतिहासिक फैसला लिया जाना चाहिए। हम इस समझौते के साझेदार नहीं हैं जो हमारी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करता, और यह हमें किसी भी तरह से बांधता नहीं है। हमें हिज्बुल्लाह को खत्म करने से कम किसी भी चीज पर समझौता नहीं करना चाहिए, हमें ऐसे किसी भी इलाके से पीछे नहीं हटना चाहिए जिस पर हमारे लड़ाकों ने कब्जा कर लिया है और आतंकवादी इंफ्रास्ट्रक्चर को नष्ट कर दिया है।'

उन्होंने कहा कि हमें ऐसी स्थिति में वापस नहीं जाना चाहिए जहां हजारों आतंकवादी उत्तरी बस्तियों की घेराबंदी करके बैठे हों और निश्चित रूप से हमें इजरायल पर हो रही फायरिंग के सामने एक पल के लिए भी चुप नहीं रहना चाहिए। लेबनान से इजरायल की तरफ ड्रोन, यूएवी, या मिसाइल के हर लॉन्च से दहिया में इजरायली हमला होगा। कुछ महीने पहले यही प्रतिरोध का संतुलन था और हमें इसे किसी भी तरह से नहीं छोड़ना चाहिए।इजरायली नेता ने आखिर में चेतावनी देते हुए कहा, 'सबसे बढ़कर, हमें सबको यह स्पष्ट कर देना चाहिए: इजरायल के लोग 3,000 साल पुराने लोग हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने अमेरिका-ईरान शांति समझौते की घोषणा का स्वागत किया

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अमेरिका और ईरान एक शांति समझौते की घोषणा का स्वागत किया है। इस समझौते में तत्काल और स्थायी युद्धविराम, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और आगे की बातचीत के लिए एक रूपरेखा तैयार करने की व्यवस्था है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने दी है। प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा, 'यह संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में एक अहम कदम है।' सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने शांति समझौते तक ले जाने वाली बातचीत का समर्थन करने में पाकिस्तान, कतर, मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की और अन्य क्षेत्रीय देशों की रचनात्मक भूमिका की सराहना की है।

प्रवक्ता के बयान में कहा गया, 'महासचिव को उम्मीद है कि संबंधित पक्ष इस नई गति को आगे बढ़ाएंगे और संघर्ष के अंतिम समाधान की दिशा में अपने प्रयासों को दोगुना करेंगे। महासचिव ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र एक स्थायी और व्यापक शांति हासिल करने में संबंधित पक्षों का समर्थन

करने के लिए तैयार है।' इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका और ईरान के बीच एक समझौता हो गया है। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाएगा और अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी खत्म हो जाएगी। ट्रंप ने इसे एक बड़ी कामयाबी बताया है, क्योंकि महीनों के तनाव ने ग्लोबल एनर्जी मार्केट को हिला दिया था और एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का डर पैदा कर दिया था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ समझौता अब पूरा हो गया है। सभी को बधाई!' यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब दुनिया की नजर उस संकरे जलमार्ग पर टिकी है, जहां से दुनिया का काफी सारा समुद्री तेल व्यापार होता है। होर्मुज जलडमरूमध्य महीनों से वाशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव का केंद्र रहा है और शिपिंग में रुकावटों के कारण ग्लोबल एनर्जी की कीमतों में उतार-चढ़ाव आया है। ट्रम्प ने कहा कि वे जलमार्ग को फिर से खोलने और संघर्ष के दौरान लगाए गए अमेरिकी नाकाबंदी को हटाने की अनुमति दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'मैं होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शुल्क के खोलने की पूर्णतः अनुमति देता हूं और साथ ही साथ संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी को तत्काल हटाने की भी अनुमति देता हूं।'

ईरान से समझौता 'सरेंडर' सरीखा, लेकिन जंग से बेहतर : अमेरिकी सांसद मर्फी

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर ईरान संग पीस डील होने का ऐलान किया। ईरान ने भी एमओयू को अंतिम रूप दिए जाने पर बयान जारी किया। दुनिया ने राहत की सांस ली है। इस बीच अमेरिकी सांसद स्वागत तो कर रहे हैं लेकिन तंज भी कस रहे हैं। सांसद क्रिस मर्फी ने इसे 'आत्मसमर्पण' करार दिया है। डेमोक्रेट्स ईरान के साथ हुए समझौते का स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन उनका कहना है कि यह युद्ध अनावश्यक था और यह समझौता केवल स्थिति को वहीं वापस ले जाता है जहां से शुरुआत हुई थी। डेमोक्रेट सांसद क्रिस मर्फी ने एक्स पर लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा और दो अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा, 'अगर ईरान के साथ कोई अंतिम समझौता होता है, तो वह तेहरान के सामने 'सरेंडर' जैसा लगेगा। हालांकि, ऐसे समझौते का स्वागत किया जाना चाहिए, क्योंकि युद्ध

जारी रहने से अमेरिका और कमजोर होगा।' मर्फी ने कहा कि मौजूदा हालात में लंबी जंग अमेरिका के हितों को ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी। इसलिए अगर समझौते के जरिए संघर्ष खत्म होता है, तो यह विकल्प युद्ध जारी रखने से बेहतर होगा।

मर्फी ने यह भी कहा कि ईरान की ओर से एकमात्र रियायत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने की थी, जबकि यह जलडमरूमध्य संघर्ष से पहले भी खुला हुआ था। उन्होंने तर्क दिया कि ईरान पहले से ही जेसीपीओए के तहत परमाणु हथियार विकसित न करने के लिए प्रतिबद्ध था जो एक ऐसा समझौता था जिसे बाद में ट्रंप ने छोड़ दिया था। दरअसल, ट्रंप ने अपनी पोस्ट में होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की बात कही थी। उन्होंने लिखा, 'दुनिया के जहाजों, अपने इंजन चालू कर लो। तेल को बहने दो।'वहीं, डेलावेयर के सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि यह समझौता स्थिति को 'सही दिशा' में ले जाता है, लेकिन अभी भी कई सवाल बाकी हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि समझौते की अलग-अलग व्याख्या जोखिम पैदा कर सकती हैं। कून्स ने एक्स पर कहा, 'यह तथ्य कि हमने अभी तक समझौते का कोई लिखित पाठ नहीं देखा है, जबकि ट्रंप और ईरानी नेता एक बार फिर इस बात पर अलग-अलग दावे कर रहे हैं कि क्या सहमति बनी है, इस बात को रेखांकित करता है कि हमें यह समझौता तुरंत देखना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'युद्धविराम और वार्ता एक सकारात्मक विकास हैं, लेकिन अब तक इस पसंद के युद्ध ने केवल अमेरिकी सैनिकों और नागरिकों को असुरक्षित किया है तथा कई महत्वपूर्ण सवालों को अनुत्तरित या अनसुलझा छोड़ दिया है।'

ईरान और अमेरिका सभी मोर्चों पर युद्धविराम और नौसैनिक नाकेबंदी हटाने पर सहमत : ईरानी उप-विदेश मंत्री

एजेंसी

तेहरान। अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी को हटाएगा। इसके साथ ही, लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध और सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से खत्म होंगे। अमेरिका के साथ शांति समझौते के बाद ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने यह जानकारी दी है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'तस्नीम' के हवाले से समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि उप-विदेश मंत्री काजेम ने अपने बयान में कहा है, 'ईरान और अमेरिका 19 जून को स्विट्जरलैंड में शांति समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतिम मसौदे पर हस्ताक्षर करेंगे।' तस्नीम ने एक सूत्र के हवाले से यह भी कहा कि स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर समारोह के बाद होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुलेगा। इसी बीच, ईरान के सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी ने भी काजेम गरीबाबादी के हवाले से कहा, 'अपने परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों को हटाने को लेकर अमेरिका के साथ 60 दिनों की बातचीत की प्रक्रिया में ईरान का शामिल होना, अमेरिका की ओर से अपने शुरुआती वादों को पूरा करने पर निर्भर करेगा। इन वादों की पुष्टि तेहरान की ओर से अभी से लेकर हस्ताक्षर समारोह तक की जाएगी।'

इससे पहले, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर घोषणा की कि गहन बातचीत के बाद अमेरिका और ईरान शांति समझौते पर सहमत हो गए हैं। शरीफ ने कहा कि दोनों पक्षों ने लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से खत्म करने की घोषणा की है और मध्यस्थ इस सप्ताह कई बैठकों का आयोजन करेंगे, ताकि समझौते को लागू करने की तैयारी की जा सके। इसके बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि अमेरिका-ईरान शांति समझौता पूरा हो गया है और उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को बिना किसी रोक-टोक के खोलने और ईरानी बंदरगाहों के खिलाफ अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को तुरंत हटाने की मंजूरी दे दी है।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने अमेरिका-ईरान शांति समझौते का किया स्वागत, बोले- हम शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देते रहेंगे

एजेंसी

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने सोमवार को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का स्वागत किया और दोनों पक्षों से लगातार संयम बरतने की अपील की। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ एक संयुक्त बयान में, पीएम अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार इस बात से खुश है कि इस समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने और नेविगेशन की आजादी को बहाल करने की दिशा में कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया लंबे समय से लेबनान समेत सभी जगहों पर तनाव कम करने और लड़ाई खत्म करने की मांग कर रहा है। जैसा कि हमने कहा है, यह लड़ाई जितनी लंबी चलेगी, इसका प्रभाव उतना ही ज्यादा होगा। लड़ाई को और

बढ़ने से रोकने और एक पक्का समझौता करने के लिए लगातार संयम और अच्छे काम करना जरूरी होगा।' उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया मिडिल ईस्ट में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देता रहेगा और सरकार ऑस्ट्रेलियाई लोगों को लड़ाई के सबसे बुरे प्रभाव से बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि अमेरिका और ईरान ने एक डील पूरी कर ली है जिससे होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल जाएगा और अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी खत्म हो जाएगी। उन्होंने इसे महीनों की लड़ाई के बाद एक बड़ी कामयाबी बताया, जिसने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिलाकर रख दिया था और एक बड़े इलाके में लड़ाई का डर पैदा कर दिया था। वहीं जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा, 'मैं अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत करता हूं। इस कूटनीतिक कामयाबी के लिए, मैं राष्ट्रपति ट्रंप और ईरानी पक्ष को बधाई देता हूं। इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था की रिकवरी और इलाके में स्थिरता का रास्ता बन सकता है। जो बातें तय हुई हैं, उन्हें पक्के इरादे और फोकस के साथ लागू करना जरूरी है।' राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ डील अब पूरी हो गई है। सभी को बधाई! 'यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब दुनिया का ध्यान होर्मुज स्ट्रेट पर था, जिससे दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। होर्मुज स्ट्रेट कई महीनों से वाशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव का केंद्र रहा है। शिपिंग में रुकावटों की वजह से दुनिया भर में ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

मैक्रों ने पीएम मोदी संग आरी-आरी गाने पर शेयर किया वीडियो, सोशल मीडिया पर वायरल

एजेंसी

नीस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बॉलीवुड फिल्म धुरंधर-2 के सुपरहिट गाने 'आरी-आरी' के साथ एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में वह पीएम मोदी के साथ दिख रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग इसे दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों से जोड़कर देख रहे हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ आज की मीटिंग बहुत फायदेमंद रही। हमारे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती को देखते हुए, हमने अपने संबंधों को एक विशिष्ट व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है। हमारी बातचीत रक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष, सुरक्षा, काउंटर-टेररिज्म, इनोवेशन जैसे खास क्षेत्रों में हमारे सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर फोकस रही।' एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, 'भारत और फ्रांस अपने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। इस मामले में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते से बहुत ज्यादा बढ़ावा मिलेगा। हम जरूरी मिनरल्स और तकनीक में सप्लाई चेन को मजबूत करने के लिए आर्थिक सुरक्षा पर एक डायलॉग भी शुरू कर रहे हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा दूसरे क्षेत्र हैं जिनमें हम मिलकर काम करेंगे।'

वहीं मैक्रों ने पीएम मोदी के साथ एक सेल्फी साझा कर 'नाइस' लिखा था। पीएम मोदी ने इसे रिशेयर कर लिखा, 'नीस में आपसे मिलकर खुशी हुई। यात्रा का पहला चरण बेहद सफल और सार्थक रहा। भारत-फ्रांस साझेदारी नई ऊंचाइयों को छूती रहेगी। एवियन और पेरिस में मिलते हैं। 'नीस में दोनों नेताओं के बीच हुई मीटिंग के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, 'दोनों नेताओं ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता को जल्द लागू करने की मांग की, जो आपसी व्यापार और निवेश को बढ़ाने का एक खास मौका देता है। नेताओं ने एसएमई, एविएशन और रेलवे के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने कानपुर में एरोनॉटिक्स में स्किलिंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) बनाने के समझौते का स्वागत किया। आर्थिक सुरक्षा पर डायलॉग शुरू करने का स्वागत करते हुए, दोनों नेता सप्लाई चेन की मजबूती, खासकर जरूरी मिनरल्स को मजबूत करने पर सहमत हुए।'

गैर-आवासीय नेपाली नागरिक को 10 वर्ष तक मुफ्त वीजा देने की तैयारी में सरकार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार गैर-आवासीय नेपाली (एनआरएन) को 10 वर्ष तक निःशुल्क वीजा उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। इसके लिए अध्यागमन संबंधी कानून में संशोधन किया जा रहा है। गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए अध्यागमन संबंधी कानून को संशोधन एवं एकीकरण करने के लिए लाए गए विधेयक की धारा-4 में अध्यागमन अधिकारी को वीजा जारी करने का अधिकार देने का प्रावधान किया गया है। इसी के अंतर्गत गैर-आवासीय नेपाली वीजा जारी करने की व्यवस्था भी शामिल है। प्रस्तावित विधेयक के अनुसार, सरकार 17 प्रकार के वीजा जारी करेगी। विधेयक की धारा-4 की उपधारा-2 में कहा गया है कि नेपाल में बसोबास करने आने वाले पात्र व्यक्तियों और उनके परिवार को 10 वर्ष तक का निःशुल्क गैर-आवासीय नेपाली वीजा प्रदान किया जाएगा।प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार गैर-आवासीय नेपाली नागरिकता प्राप्त व्यक्ति अथवा गैर-आवासीय नेपाली परिचय-पत्र रखने वाले नेपाली मूल के विदेशी नागरिक इस वीजा के पात्र होंगे। विधेयक में यह भी उल्लेख है कि किसी विदेशी नागरिक को नेपाल में प्रवेश करने या रहने के लिए संबंधित देश का वैध पासपोर्ट और नेपाल का वीजा अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान डील पूरी होने का किया ऐलान, होर्मुज से नाकाबंदी हटाने का दिया आदेश

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि यूएस और ईरान ने एक डील पूरी कर ली है। इस डील के तहत होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल जाएगा और अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी खत्म हो जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसे महीनों की लड़ाई के बाद एक बड़ी कामयाबी बताया। इसकी वजह से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर काफी बुरा असर पड़ा और एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का डर पैदा कर दिया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ डील अब पूरी हो गई है। सभी को बधाई!' यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब दुनिया का ध्यान होर्मुज स्ट्रेट पर था, जिससे दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। होर्मुज स्ट्रेट कई महीनों से वाशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव का केंद्र रहा है। शिपिंग में रुकावटों की वजह से दुनिया भर में ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग को फिर से खोलने और अमेरिकी नाकेबंदी को हटाने की मंजूरी दे रहे हैं।

उन्होंने लिखा, 'मैं होर्मुज स्ट्रेट को टोल फ्री खोलने की पूरी मंजूरी देता हूं। इसके साथ ही, अमेरिका नेवल ब्लॉकेड को तुरंत हटाने जा रहा है। दुनिया भर के जहाजों, अपने इंजन चालू करो। तेल का प्रवाह शुरू होने दो।' एक दूसरे पोस्ट में, ट्रंप ने इस समझौते को एक ऐतिहासिक डिप्लोमैटिक कामयाबी बताया। उन्होंने लिखा, 'यह महान समझौता पूरे इलाके में शांति और सुरक्षा लाएगी। कई राष्ट्रपतियों ने ईरान के साथ शांति बनाने की कोशिश की और मेरे सामने सभी विफल हो गए। इलाके के नेताओं को पहली बार ऐसा राष्ट्रपति मिला है जो उन्हें असली शांति पाने में मदद कर सकता है। शुक्रवार को समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाने के लिए स्ट्रेट को खोले जाने के बाद, क्षेत्र और पूरी दुनिया के लिए दोनों दिशाओं में फिर से तेल का प्रवाह शुरू हो जाएगा!' हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने समझौते की डिटेल्स नहीं बताई और न ही व्हाइट हाउस की तरफ से डील से संबंधित किसी भी तरह की जानकारी साझा की गई है। व्हाइट हाउस की पोस्ट में उन प्रमुख मुद्दों का जिक्र नहीं किया गया, जो लंबे समय से वाशिंगटन और तेहरान के बीच मतभेदों की वजह बने हुए हैं। इनमें ईरान का परमाणु कार्यक्रम और उस पर अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध जैसे संवेदनशील विषय शामिल हैं।

हालांकि, ट्रंप के बयानों से पता चलता है कि दोनों देशों के बीच हुए इस समझौते का मुख्य मुद्दा होर्मुज स्ट्रेट के जरिए नेविगेशन की आजादी को फिर से शुरू करना और कमर्शियल शिपिंग में रुकावटों को दूर करना है। कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने बताया कि अमेरिका और ईरानी नेगोशिएटर, मध्यस्थ के साथ हफ्तों की बातचीत के बाद एक समझौते के करीब पहुंच गए हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, अमेरिका और ईरानी अधिकारियों ने संकेत दिया था कि इस हफ्ते के आखिर में डील पर एक औपचारिक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना और अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी हटाना इस अरेंजमेंट का मुख्य हिस्सा है।

अखबार ने बताया कि दोनों पक्ष दुश्मनी खत्म करने और आगे की बातचीत के लिए जगह बनाने के मकसद से एक अंतरिम फ्रेमवर्क पर सहमत हुए हैं। द वॉशिंगटन पोस्ट ने भी इसी तरह बताया कि इस समझौते से अमेरिका की नाकाबंदी खत्म हो जाएगी और स्ट्रेट फिर से खुल जाएगा, जबकि दूसरे बड़े मुद्दे भविष्य की बातचीत के लिए छोड़ दिए जाएंगे। अखबार ने कहा कि ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और पाबंदियों में राहत पर बातचीत के एक अलग फेज में चर्चा जारी रहने की उम्मीद है।

page 1 and 8 June 16_page 1 Mar 25 final ds.qxd 6/16/2026 12:14 AM Page 2

स्थानीय समाचार

मौन बहुमत- कैसे सज्जन लोग शांति चाहते हैं, जबकि शोर मचाने वाले नफरत से लाभ कमाते हैं

अमीर इकबाल खान

हर समुदाय, राष्ट्र और समाज के केंद्र में—चाहे उसकी पहचान धर्म, भाषा या भौगोलिक सीमाओं से जुड़ी हो—एक आम नागरिक होता है। अधिकांश लोग स्वभाव से शांतिप्रिय, सज्जन और जिम्मेदार होते हैं। वे विवाद नहीं, बल्कि शांति और स्थिरता चाहते हैं। उनका सबसे बड़ा सपना अपने बच्चों को सुरक्षित भविष्य देना और अगली पीढ़ी को अपने से बेहतर जीवन प्रदान करना होता है। यह सार्वभौमिक सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज में शांति, कानून व्यवस्था और स्थिरता बनी रहे। जब व्यवस्था मजबूत होती है, तब सामान्य लोगों का जीवन भी प्रगति और खुशहाली की ओर बढ़ता है।

हालांकि, हर समाज में कुछ ऐसे तत्व भी मौजूद होते हैं जो संख्या में भले ही कम हों, लेकिन उनके विचार और गतिविधियां समाज के लिए विष के समान होती हैं। यह एक छोटा लेकिन खतरनाक वर्ग है, जिसकी ऊर्जा का स्रोत नफरत और टकराव होता है। ऐसे लोगों का प्रभाव तभी तक बना रहता है, जब तक समाज विभाजित और तनावग्रस्त रहता है। यदि समाज में सौहार्द और शांति स्थापित हो जाए तो उनकी प्रासंगिकता स्वतः समाप्त हो जाती है। स्पष्ट रूप से कहें तो उनके स्वार्थ आम नागरिकों के हितों के बिल्कुल विपरीत होते हैं।

विडंबना यह है कि ऐसे विघटनकारी तत्व संख्या में कम होने के बावजूद सबसे अधिक शोर मचाते हैं। वे अपने आक्रामक व्यवहार और ऊंची आवाज के बल पर यह भ्रम पैदा करने की कोशिश करते हैं कि वे पूरे समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। आम नागरिक न तो युद्ध चाहता है, न संघर्ष और न ही अशांति। वह अपने घरों को जलते हुए नहीं देखना चाहता। उसकी सबसे बड़ी इच्छा केवल सुरक्षित जीवन जीने और अपने पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की होती है।

चिंताजनक बात यह है कि यही कट्टरपंथी और उग्रवादी तत्व समाज की वास्तविक आवाज को अपने कब्जे में लेने का प्रयास करते हैं। वे स्वयं को जनता का प्रतिनिधि बताकर आम लोगों की शांत प्रवृत्ति का फायदा उठाते हैं। चूंकि मेहनतकश और जिम्मेदार नागरिक विवादों से दूर रहना पसंद करते हैं, इसलिए ये स्वयंभू नेता उनके नाम पर बोलने का दावा करने लगते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि जनता उनके साथ नहीं खड़ी होती, बल्कि केवल अनावश्यक विवादों से दूरी बनाए रखती है। दुर्भाग्य से इस मौन को अक्सर उनकी सहमति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

हमारे समाज में एक बड़ी गलतफहमी यह भी है कि किसी सज्जन व्यक्ति का शांत और संयमित रहना उसकी कमजोरी या आत्मसमर्पण का संकेत है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। समाज में अशांति फैलाने, समुदायों के बीच दरार पैदा करने और राष्ट्र की एकता को कमजोर करने वाले लोगों की संख्या बेहद सीमित होती है। लेकिन वे अपनी कम संख्या की भरपाई शोर-शराबे और आक्रामक प्रचार से करते हैं। उनका उद्देश्य विवेकशील और शांतिप्रिय बहुमत की आवाज को दबाकर अपने स्वार्थपूर्ण मकसदों को पूरा करना होता है।

जरा उस ईमानदार मजदूर के बारे में सोचिए, जो सुबह से शाम तक केवल अपने परिवार का पेट भरने के लिए कठिन परिश्रम करता है। दिनभर की मेहनत के बाद वह रात को चैन की नींद सोता है। उसके मन में किसी के प्रति दुर्भावना नहीं होती। उसके पास न तो षड्यंत्र सिद्धांतों में उलझने का समय होता है और न ही वह देशभक्ति या धर्म के नाम पर परोसी जाने वाली भ्रामक और भड़काऊ बातों के प्रभाव में आता है। वह अपनी रोजमर्रा की आजीविका की लड़ाई में इतना व्यस्त रहता है कि कृत्रिम रूप से पैदा की गई नफरत के लिए उसके पास कोई स्थान नहीं होता। इसके बावजूद कुछ अवसरवादी और स्वार्थी तत्व लगातार मेहनतकश वर्ग की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। वे आम नागरिक की जीविका संबंधी चिंताओं को उसकी मजबूरी या समर्पण समझ लेते हैं और उसके मौन को अपने हितों के लिए हथियार बना लेते हैं। अब समय आ गया है कि समाज इस सच्चाई को समझे कि यह खामोशी सहमति का प्रतीक नहीं है। यह उस बहुसंख्यक वर्ग की गरिमामयी चुप्पी है, जो नफरत और स्वार्थ के बजाय शांति, सद्भाव और सामाजिक स्थिरता को अधिक महत्व देता है।

ब्रह्मचर्य से रोगों का नाश और आयु वृद्धि संभव-स्वामी राम स्वरूप जी

कटुआ, 15 जून (हि.स.)। वेद मन्दिर योल में आयोजित 78 दिवसीय चारों वेदों के यज्ञानुष्ठान के 65वें दिन स्वामी राम स्वरूप जी योगाचार्य ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए अथर्ववेद के गूढ़ ज्ञान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि परमेश्वर ने अथर्ववेद के 19वें काण्ड में अत्यंत भयंकर रोगों के निवारण से संबंधित महत्वपूर्ण ज्ञान प्रदान किया है। स्वामी जी ने सूक्त 24 का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रह्मचर्य का पालन करने वाले स्त्री-पुरुष अपनी शक्ति पर संयम रखते हैं जिससे शरीर में उत्पन्न होने वाले विभिन्न रोग स्वतः नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्मचर्य से उत्पन्न शक्ति सर्वोत्तम औषधि के समान है जो न केवल रोगों का नाश करती है बल्कि आयु में भी वृद्धि करती है। उन्होंने आगे बताया कि अथर्ववेद में इस शक्ति को जङ्गिडः नाम दिया गया है जो वात, पित्त और कफ से उत्पन्न सभी विकारों को समाप्त कर शरीर को निरोग बनाती है। स्वामी राम स्वरूप ने सूक्त 37 के मन्त्र 1 से 4 का उल्लेख करते हुए कहा कि इनमें ईश्वर से प्रार्थना की गई है कि वह दिव्य तेज मनुष्य को प्राप्त हो जो काम, क्रोध, मद और लोभ जैसे आंतरिक शत्रुओं का नाश करता है तथा शरीर में ओज उत्साह और सामर्थ्य प्रदान करता है।

जेवर से खुले विकास के नए आसमान, वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में दूरदर्शी पहल से पश्चिमी उत्तर प्रदेश को मिला वैश्विक कनेक्टिविटी का नया द्वार

आधुनिक सुविधाओं से सहज होगी यात्रा, क्षेत्रीय विकास और रोजगार को मिलेगी नई गति

***योगी सरकार प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए संकल्पित- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री**

***लखनऊ, 15 जून।** नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन शुरू होने के साथ ही उत्तर प्रदेश ने विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। इंडिगो ने यहां से हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। लखनऊ से आई उद्घाटन उड़ान के स्वागत के बाद बेंगलुरु के लिए पहली प्रस्थान उड़ान रवाना हुई। यह केवल एक नए हवाई अड्डे की शुरुआत नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में आधारभूत ढांचे के विकास को नई गति मिली है। जेवर स्थित यह विश्वस्तरीय हवाई अड्डा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के लाखों यात्रियों को सुविधाजनक हवाई संपर्क उपलब्ध कराएगा। इससे पर्यटन, निवेश और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, वहीं स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण को प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ (12 मिलियन) यात्रियों की सेवा के लिए विकसित किया गया है। भविष्य में इसकी क्षमता बढ़ाकर सालाना 7 करोड़ (70 मिलियन) से अधिक यात्रियों तक पहुंचाने की योजना है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यहां डिजिटल यात्रा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को भौतिक दस्तावेजों की आवश्यकता कम होगी। सेल्फ चेक-इन, सेल्फ बैग ड्रॉप, आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था तथा सहज मार्गदर्शक प्रणालियां यात्रा को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाएंगी। हवाई अड्डे के टर्मिनल का डिज़ाइन आधुनिक तकनीक और भारतीय सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती कलाकृतियां, वाराणसी के घाटों से प्रेरित स्थापत्य शैली, जालीदार डिज़ाइन तथा प्राकृतिक प्रकाश का व्यापक उपयोग यात्रियों को एक विशिष्ट अनुभव प्रदान करेगा।

यात्रियों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट टैक्सी, ऐप आधारित कैब सेवाएं और दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के विभिन्न शहरों को जोड़ने वाली बस सेवाओं की व्यवस्था की गई है। आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन से यह हवाई अड्डा वैश्विक संपर्क का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की शुरुआत को योगी सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों का महत्वपूर्ण परिणाम माना जा रहा है। प्रदेश में एक्सप्रेस-वे, औद्योगिक कॉरिडोर, डिफेंस कॉरिडोर और निवेश अनुकूल वातावरण के साथ यह परियोजना उत्तर प्रदेश को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। हवाई अड्डे पर एयर इंडिया सैट्स द्वारा विकसित आधुनिक कार्गो सुविधाएं प्रारंभिक चरण में प्रतिवर्ष दो लाख मीट्रिक टन माल ढुलाई की क्षमता रखती हैं, जिसे भविष्य में 15 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाने की योजना है। इससे ई-कॉमर्स, कृषि उत्पादों के निर्यात और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को नई मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन शुरू होना भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह हवाई अड्डा हवाई संपर्क को नई मजबूती प्रदान करेगा और व्यापार, पर्यटन, निवेश तथा रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए यहां अत्याधुनिक डिजिटल सेवाएं और विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की गई हैं। योगी सरकार लगातार उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

10 दिन में सड़कें ठीक करो, वरना होगा जन आंदोलन- सिविल सोसाइटी का पीडब्लूडी को अल्टीमेटम

कटुआ, 15 जून (हि.स.)। शहर की जर्जर सड़कों और जगह-जगह पड़े गहरे गड्ढों से परेशान सिविल सोसाइटी कटुआ ने लोक निर्माण विभाग को 10 दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द हालात नहीं सुधारे गए तो बड़ा जन आंदोलन छेड़ा जाएगा।

सोमवार को सिविल सोसाइटी के सदस्य पीडब्ल्यूडी कार्यालय पहुंचे और कार्यकारी अभियंता को ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया। लेकिन आरोप है कि उनके पहुंचते ही विभाग के अधिकारी कार्यालय से नदारद हो गए। इससे नाराज सदस्यों ने कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन करते हुए विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि अधिकारी अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभा सकते तो उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने शहर की बदहाल सड़कों को आम जनता के साथ सीधा अन्याय बताते हुए कहा कि टैक्स देने के बावजूद लोगों को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। बाद में ज्ञापन विधायक कठुआ को सौंपा गया। सिविल सोसाइटी के सदस्यों ने बताया कि पिछले वर्ष भी उन्होंने अनोखे तरीके से नहर में स्कूटी चलाकर सड़कों की खराब हालत के खिलाफ विरोध दर्ज कराया था जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया था। हालांकि कुछ समय बाद ही सड़कों की स्थिति फिर से खराब हो गई और पैचवर्क भी टिकाऊ साबित नहीं हुआ।

विकास कार्यों में तेजी लाने की मांग, प्रतिनिधिमंडलों ने मंत्री जावेद राणा से की मुलाकात

श्रीनगर, 15 जून (हि.स.)। विधायक कैसर जमशीद लोन सहित कई प्रतिनिधिमंडलों और व्यक्तियों ने सिविल सचिवालय में जल शक्ति वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा से मुलाकात कर विभिन्न जनहित और विकास संबंधी मुद्दों को उठाया।

विधायक लोलाब ने अपने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, पेयजल आपूर्ति, सिंचाई सुविधाओं में सुधार तथा अन्य विकास कार्यों में तेजी लाने की मांग की। उन्होंने चल रहे कार्यों को समय पर पूरा करने और जन सेवाओं से जुड़े मुद्दों के शीघ्र समाधान पर भी जोर दिया। पीर पंजाल क्षेत्र के एक प्रतिनिधिमंडल ने जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों में तेजी लाने की मांग की जबकि अन्य प्रतिनिधिमंडलों ने सड़कों के ब्लैकटॉपिंग बिजली स्वास्थ्य सुविधाओं और पेयजल जैसी समस्याओं को उठाया। मंत्री जावेद राणा ने सभी प्रतिनिधिमंडलों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी

गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी गुरुपर्व पर 16 जून को कटुआ में गुरमत समागम

कटुआ, 15 जून (हि.स.)। जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी कटुआ द्वारा गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी गुरुपर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा सिंह सभा कटुआ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान कमेटी ने आगामी धार्मिक कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की। डीजीपीसी कटुआ द्वारा 16 जून 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक गुरुद्वारा सिंह सभा मेन बाजार कटुआ में एक भव्य गुरमत समागम आयोजित किया जाएगा। समागम के अंतर्गत कीर्तन दरबार का आयोजन किया जाएगा जिसमें दरबार साहिब अमृतसर से पधारे भाई बलविंदर सिंह हजूरी रागी द्वारा गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही जालंधर से आए भाई रणजीत सिंह प्रचारक गुरु अर्जुन देव जी की शहादत पर विशेष व्याख्यान देंगे जिसमें उनके जीवन त्याग और बलिदान पर प्रकाश डाला जाएगा।

लखनपुर में योग सत्र आयोजित, स्वस्थ जीवनशैली और नशा मुक्ति का दिया संदेश

कटुआ, 15 जून (हि.स.)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन कटुआ ने जिला आयुष विभाग के सहयोग से योग 365 अभियान के तहत सोमवार को राजकीय उच्च विद्यालय लखनपुर में योग जागरूकता सत्र आयोजित किया। अभियान स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम पर आधारित है जिसका उद्देश्य लोगों को दैनिक जीवन में योग अपनाने के लिए प्रेरित करना है ताकि शारीरिक फिटनेस, मानसिक संतुलन और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम का आयोजन उपायुक्त कटुआ राजेश शर्मा के मार्गदर्शन, निदेशक आयुष जम्मू-कश्मीर डॉ. अजय कुमार टिक्कू के निर्देश तथा जिला आयुष अधिकारी डॉ. राकेश कुमार शर्मा की देखरेख में किया गया। योग सत्र के दौरान आयुष टीम नोडल अधिकारी आईडीवाई-2026 डॉ. बोध पॉल, योग प्रशिक्षक अंकुश एवं अन्य कर्मचारियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास करवाया।

विधायक रामगढ़ ने मृदा स्वास्थ्य और स्मार्ट खेती पर किसान जागरूकता कार्यक्रम का नेतृत्व किया

सांबा, 15 जून। चल रहे प्रमुख जागरूकता अभियान खेत बचाओ अभियान के तहत आज सांबा जिले के रामगढ़ में विधायक रामगढ़ डॉ. देविंदर कुमार मन्याल की अध्यक्षता में तथा कृषि निदेशक जम्मू अनिल गुप्ता की उपस्थिति में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विधायक डॉ. देविंदर कुमार मन्याल ने मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे खेती की दीर्घकालिक उत्पादकता और लाभप्रदता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने किसानों से उर्वरकों और कीटनाशकों का संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करने, मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने तथा कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने किसानों से ऐसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी करने का भी आग्रह किया।

कृषि निदेशक अनिल गुप्ता ने अपने संबोधन में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादकता बढ़ाने और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दलहन एवं तिलहन फसलों के रकबे का विस्तार करना आवश्यक है। इससे पोषण सुरक्षा मजबूत होगी, मृदा उर्वरता में सुधार होगा तथा खाद्य तेलों के आयात पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने किसानों को फसल विविधीकरण, किसानों की आय बढ़ाने तथा जलवायु अनुकूल कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और पहलों की जानकारी भी दी।

बाद में विधायक और कृषि निदेशक ने कृषि विभाग, किसान उत्पादक संगठनों एफपीओ, महिला स्वयं सहायता समूहों एसएचजी तथा प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शकों से बातचीत कर प्रदर्शित तकनीकों, नवाचारों, उत्पादों और गतिविधियों की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की।

कंगन में पावर कैनाल से दूसरा शव बरामद

कंगन, 15 जून। सोमवार को गांदरबल ज़िले के कंगन इलाके में गुंड के पास पावर कैनाल से एक 20 साल की लड़की का शव मिलने के कुछ घंटों बाद बचाव टीमों ने उसी नहर से एक पुरुष का शव भी बरामद किया। ये टीमें उन दोनों की तलाश कर रही थीं जिनके नहर में डूबने की खबर थी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना कंगन के गुंड इलाके के पास पावर कैनाल में हुई जहाँ दो लोगों के डूबने की खबर के बाद बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया। घटना के बाद पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवकों की टीमें मौके पर पहुँचीं और नहर के किनारे बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। कई घंटों के अभियान के बाद बचाव दल ने नहर से एक महिला का शव बरामद किया। इस बीच तलाशी टीमों ने दूसरे लापता व्यक्ति का पता लगाने के लिए नहर और आस-पास के इलाकों में छानबीन जारी रखी तभी उस व्यक्ति का शव नहर से काफी दूर मिला।

कठुआ में टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज, एसपी ऑपरेशन्स बृजेश शर्मा ने किया उद्घाटन

कटुआ, 15 जून (हि.स.)। जिले के लोगेट मोड़ में यूथ क्लब लोगेट द्वारा आयोजित टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ एसपी ऑपरेशन्स बृजेश शर्मा ने किया।

इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिससे क्षेत्र में खेलों के प्रति युवाओं का उत्साह साफ झलक रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए एसपी ऑपरेशन्स बृजेश शर्मा ने यूथ क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह देखना उत्साहजनक है कि स्थानीय युवा सकारात्मक पहल

करते हुए अपनी ऊर्जा को खेलों और रचनात्मक गतिविधियों की ओर लगा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे आयोजन भविष्य में भी होते रहेंगे जिससे युवाओं को न केवल खेलों में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा बल्कि वे नशे जैसी बुराइयों से भी दूर रहेंगे।

टूर्नामेंट के उद्घाटन मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और खेल प्रेमी मौजूद रहे जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

अनूठी थिएटर कार्यशाला में 100 से अधिक बच्चों ने लिया हिस्सा

जम्मू, 15 जून (हि.स.)। भारतीय रंगमंच के प्रसिद्ध हस्ताक्षर और 'मैजिक मैन ऑफ इंडियन थिएटर' के नाम से विख्यात बलवंत ठाकुर ने नवाबों के शहर लखनऊ में अपनी रचनात्मक यात्रा को नया आयाम देते हुए बच्चों के लिए एक विशेष थिएटर कार्यशाला आयोजित की। भारतेन्दु नाट्य अकादमी के ब्लैक बॉक्स थिएटर में आयोजित इस कार्यशाला में 100 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को कल्पनाशीलता, नवाचार और आत्म-अन्वेषण की दुनिया से परिचित कराया गया। बालवंत ठाकुर ने विभिन्न थिएटर खेलों, रचनात्मक अभ्यासों, शारीरिक गतिविधियों और संवादात्मक प्रक्रियाओं के माध्यम से बच्चों की छिपी हुई प्रतिभाओं को उभारने का प्रयास किया।

इस कार्यशाला की विशेषता यह रही कि इसमें पारंपरिक रंगमंच प्रशिक्षण से आगे बढ़कर आधुनिक और बाल-केंद्रित थिएटर पद्धतियों का उपयोग किया गया। ये पद्धतियां अमेरिका, चीन, जापान और कई यूरोपीय देशों में विकसित और सफलतापूर्वक लागू की जा रही हैं। इनका उद्देश्य केवल अभिनय कौशल विकसित करना नहीं बल्कि बच्चों के समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। बलवंत ठाकुर द्वारा विकसित विशिष्ट थिएटर पद्धति बच्चों में आत्मविश्वास, संवाद कौशल, भावनात्मक समझ, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को प्रोत्साहित करती है। उनके अनुसार थिएटर केवल कला नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का प्रभावशाली माध्यम है जो बच्चों को स्वतंत्र सोच, समस्या समाधान और सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करने में मदद करता है।

कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों ने इसे एक प्रेरणादायक और यादगार अनुभव बताया। बलवंत ठाकुर का यह प्रयास देश के विभिन्न हिस्सों में थिएटर शिक्षा के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।